हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 199 बेमेतरा, शुक्रवार 13 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

रायपुर में दस साल बाद आईपीएल की वापसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर दस साल बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैचों की मेजबानी करेगा। आईपीएल 28 मार्च से शुरू होगा। करीब एक दशक बाद शहर को फ्रेंचाइजी क्रिकेट मैचों की मेजबानी का मौका मिला है। इस दौरान रॉयल चैंलेज बेंगलुरुअपनी टीम के दो मुकाबले रायपुर में खेलेगी। हालांकि इन मैचों से राज्य क्रिकेट संघ को सीधे तौर पर बड़ी आर्थिक कमाई नहीं होगी। अधिकारियों के अनुसार आईपीएल मुकाबलों में राज्य क्रिकेट संघ की भूमिका मुख्य रूप से स्टेडियम उपलब्ध कराने, पिच तैयार करने और स्थानीय स्टाफ की व्यवस्था करने तक सीमित रहती है।

ट्रेनों की चपेट में आने से हाथियों की मौत पर मंथन

नयी दिल्ली। सरकार ट्रेनों की चपेट में आने से होने वाली हाथियों की मौत की घटनाओं को लेकर चिंतित है और इन्हें बचाने के लिए विभिन्न कदम उठा रही है। इसी कड़ी में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के प्रोजेक्ट एलिफेंट डिविजन ने देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्लूयआईआई) में 10 और 11 मार्च को राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। रेल पटरियों पर हाथियों की मृत्यु दर को कम करने के लिए नीति कार्यान्वयन विषय पर आयोजित इस दो दिवसीय कार्यशाला में रेल मंत्रालय, हाथी-बहुल राज्यों के वन विभागों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों और प्रमुख संरक्षण वैज्ञानिकों सहित 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ईरान पर अमेरिकी हमलों के छह दिनों का खर्च 11.3 अरब डॉलर

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के अधिकारियों ने अमेरिकी सांसदों को जानकारी दी है कि ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के पहले छह दिनों में ही 11.3 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा का खर्च आ चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, यह आंकड़ा कांग्रेस को प्राप्त अब तक का सबसे व्यापक प्रारंभिक अनुमान है। हालांकि, इसमें हमले शुरू होने से पहले सैन्य साजो-सामान और कर्मियों की तैनाती पर हुआ खर्च शामिल नहीं है। सांसदों का मानना है कि जैसे-जैसे पेंटागन पहले सप्ताह के खर्चों की पूरी गणना करेगा, यह संख्या काफी बढ़ सकती है।

बिजली उपभोक्ताओं की पीड़ा को दूर करेगी समाधान योजना : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सालय स्थित सभागार से मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने योजना का लाभ लेने वाले उपभोक्ताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया और अधिक से अधिक लोगों से योजना का लाभ लेने की अपील की। साथ ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 2 हजार 931 हितग्राहियों को 8 करोड़ 79 लाख रुपए की सब्सिडी भी अंतरित की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बिजली आज हमारी मूलभूत जरूरतों में शामिल हो चुकी है और इसके बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। कई परिवार आर्थिक कारणों से समय पर बिजली बिल का भुगतान नहीं कर पाते, जिससे सरचार्ज के कारण बकाया राशि बढ़ जाती है और पूरा भुगतान करना कठिन हो जाता है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने समाधान योजना शुरू की है, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाधान योजना के माध्यम से लंबे समय से बिजली बिल का भुगतान नहीं कर पाने वाले प्रदेश के निम्न एवं मध्यम आय वर्ग तथा कृषि उपभोक्ताओं को राहत देने की पहल की गई है। योजना के तहत प्रदेश के 28 लाख 42 हजार उपभोक्ताओं को कुल 757 करोड़ रुपए की राहत दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश के लगभग 18 हजार गांवों तक बिजली पहुंचाई गई, जिससे आजादी के बाद से अंधेरे में रहे गांव भी रोशन हुए। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में हमारे अपने संसाधनों से लगभग 30 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है और प्रदेशवासियों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने बताया कि कोरोना काल में आर्थिक कठिनाइयों के कारण कई उपभोक्ता बिजली बिल का भुगतान नहीं कर पाए थे, जिससे बकाया राशि बढ़ गई थी। राज्य सरकार ने उपभोक्ताओं की इस परेशानी को समझते हुए समाधान योजना लागू की है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रति प्रदेश में लोगों की रुचि लगातार बढ़ रही है और अब तक लगभग 36 हजार लोग इससे जुड़ चुके हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि महिला स्व सहायता समूहों द्वारा सोलर पैनल वेंडर के रूप में कार्य किया जाना एक सकारात्मक पहल है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से बिजली की बचत करने और घरेलू बिजली के अनावश्यक उपयोग से बचने की अपील की। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को समाधान योजना के लिए बधाई देते हुए निर्देश दिए कि शिविर लगाकर और व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को समाधान योजना से जोड़ा जाए। उल्लेखनीय है कि योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं की तीन श्रेणियां निर्धारित की गई हैं, जिनमें 31 मार्च 2023 की स्थिति में निष्क्रिय उपभोक्ता, सक्रिय एकल बत्ती कनेक्शनधारी उपभोक्ता तथा सक्रिय अशासकीय घरेलू एवं अशासकीय कृषि उपभोक्ता शामिल हैं।

गैस सिलेंडर की किल्लत पर विधानसभा में हंगामा

स्थगन प्रस्ताव को लेकर पक्ष विपक्ष आमने सामने

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने प्रदेश में लगातार सामने आ रही गैस की कमी की समस्या को लेकर स्थगन प्रस्ताव लाया, जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। बहस के दौरान सदन का माहौल इतना गरमा गया कि हंगामे के बीच कार्यवाही को पांच मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा।

गैस की किल्लत को लेकर विपक्ष का स्थगन प्रस्ताव

शून्यकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने प्रदेश में गैस सिलेंडर की कमी और बढ़ती कीमतों का मुद्दा उठाते हुए स्थगन प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कई हिस्सों में लोगों को गैस सिलेंडर समय पर नहीं मिल पा रहा है, जिससे आम जनता परेशान है।

भूपेश बघेल ने राज्य सरकार की जिम्मेदारी बताई

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि भले ही गैस का विषय केंद्र सरकार से जुड़ा हो, लेकिन प्रदेश में गैस की कमी और महंगाई का असर यहां की जनता पर पड़ रहा है, इसलिए व्यवस्था सुनिश्चित करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

सत्ता पक्ष ने कहा- यह विधानसभा का विषय नहीं

स्थगन प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि गैस सिलेंडर की कीमत और महंगाई का विषय विधानसभा के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, इसलिए इस मुद्दे पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती। उनके इस बयान के बाद विपक्ष ने कड़ा विरोध दर्ज कराया।

हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही स्थगित

स्थगन प्रस्ताव को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस और नारेबाजी शुरू हो गई। लगातार बढ़ते हंगामे के कारण विधानसभा अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही पांच मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। इस दौरान सदन का माहौल काफी गरमाया रहा और दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते नजर आए।

अनियंत्रित होकर पलटी पिकअप

3 की मौत, 25 से ज्यादा घायल

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक लोग घायल हो गए। हादसा नारायणपुर-ओरछा मुख्य मार्ग पर ग्राम झारा घाटी के पास हुआ, जहां एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से पलट गई। बताया जा रहा है कि पिकअप वाहन में 30 से ज्यादा लोग सवार थे। दुर्घटना में 2 महिलाओं और 1 पुरुष की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 25 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही 108 संजीवनी एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल नारायणपुर में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के मुताबिक पिकअप वाहन का इस्तेमाल सवारी ढोने के लिए किया जा रहा था, जबकि इस तरह के वाहनों में यात्रियों को ले जाना नियमों के खिलाफ है।

एलपीजी संकट पर चर्चा की मांग पर विपक्ष अड़ा लोकसभा की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण देश में उत्पन्न ऊर्जा संकट पर चर्चा कराने की मांग पर विपक्ष के अड़े रहने के कारण लोकसभा की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित कर दी गयी।

एक बार स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही शुरू होते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने खिलाफ लाये गये अविश्वास प्रस्ताव के संकल्प पर चर्चा पर अपने विचार रखे जिसके बाद जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखे गये। उसके बाद कांग्रेस के के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अत्यंत महत्वपूर्ण विषय एलपीजी संकट पर चर्चा कराने के लिए नोटिस दिया है, उस पर चर्चा करायी जाए। अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष के नेता का नोटिस उनके पास आया है और इस मामले से उन्होंने संबंधित मंत्री को अवगत करा दिया है। जब संबंधित मंत्री सदन में होंगे तब उस पर चर्चा की जाएगी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि अध्यक्ष ने कहा है कि मुद्दा महत्वपूर्ण है तो सरकार उस पर जवाब देना चाहेगी।

होटलों,रेस्तरां को केरोसिन और कोयले के इस्तेमाल की अनुमति मिलेगी

ग्रामीण क्षेत्रों में सिलेंडर की बुकिंग 45 दिन के अंतराल पर

नयी दिल्ली। सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण बनी परिस्थितियों को देखते हुए सिलेंडर और पाइप से आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस पर दबाव कम करने के लिए होटलों और रेस्तरां में केरोसिन और कोयले के ईंधन के रूप में इस्तेमाल की अनुमति देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके अलावा सीमित संख्या में वाणिज्यिक इस्तेमाल के सिलेंडरों की भी आपूर्ति की जायेगी जिसके लिए राज्य सरकारों को प्राथमिकता के आधार पर लाभार्थियों की सूची बनानी होगी। सरकार ने गुरुवार को एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रसोई गैस सिलेंडर की बुकिंग 45 दिन के अंतराल पर ही की जा सकेगी। इससे पहले शहरी क्षेत्रों के लिए यह अवधि 25 दिन कर दी गयी थी।

सत्यमेव जयते
पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

सरकार की ओर से बताया गया कि पश्चिम एशियाई देशों से अब तक एक लाख 30 हजार भारतीय स्वदेश लौट चुके हैं और विभिन्न देशों से उडानों का संचालन हो रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में फंसे विभिन्न देशों के जहाजों पर 78 भारतीय नाविक थे जिनमें से 70 सुरक्षित निकाल लिये गये हैं जबकि चार घायल हैं और दुर्भाग्य से तीन की मौत हुई है जबकि एक लापता है।

रसोई गैस की कमी मोदी की कूटनीतिक विफलता: खरगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कूटनीतिक रूप से विफल होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि देश रसोई गैस की कमी के संकट से जूझ रहा है और मोदी अपनी सरकार की इस विफलता पर ध्यान देने की बजाय चुनावी दौरों में व्यस्त हैं। खरगे ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में गुरुवार को कहा, जब देश भारी संकट से जूझ रहा होता है तो प्रधानमंत्री मोदी जी चुनावी दौरों में मशगूल होते हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में एलपीजी की भारी कमी है और लोग कतारों में खड़े हैं। कितने सारे छोटे-बड़े उद्योग भाजपा की विफलता का ख़ामियाज़ा भुगतने पर मजबूर हैं। पर सरकार के पास केवल झूठे दावे के अलावा कोई जवाब नहीं। खरगे ने एलपीजी संकट को सरकार की कूटनीतिक विफलता बताया।

ऊर्जा संकट से निपटने के लिए अमेरिका का बड़ा कदम रणनीतिक भंडार से जारी करेगा 17.2 करोड़ बैरल कच्चा तेल

न्यूयॉर्क। ईरान के साथ जारी संघर्ष के बीच बढ़ती तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए अमेरिका ने अपने रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व से 17.2 करोड़ बैरल तेल बाजार में जारी करने की घोषणा की है। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने एक बयान में बताया कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के 32 सदस्य देश राष्ट्रपति ट्रंप के उस अनुरोध पर सर्वसम्मति से सहमत हो गए हैं, जिसमें ऊर्जा की कीमतों को कम करने के लिए एक समन्वित प्रयास के तहत अपने संबंधित भंडारों से कुल 40 करोड़ बैरल तेल और रिफाइंड उत्पाद जारी करने की बात कही गई थी। ऊर्जा मंत्री के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऊर्जा मंत्रालय को अपने हिस्से के 17.2 करोड़ बैरल तेल जारी करने के लिए अधिकृत कर दिया है। यह प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरू होगी और योजनाबद्ध डिस्चार्ज रेट के आधार पर इसे बाजार तक पहुँचाने में लगभग 120 दिन लगेंगे। राइट ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका ने अगले एक वर्ष के भीतर इन रणनीतिक भंडारों की भरपाई करने के लिए लगभग 20 करोड़ बैरल तेल की व्यवस्था पहले ही कर ली है।

विशेषज्ञों का मानना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की घेराबंदी और वैश्विक तेल आपूर्ति में आए व्यवधान के कारण जो कीमतें आसमान छू रही थीं।

सरकार एलपीजी आपूर्ति सुनिश्चित करने की संभावनाओं पर ध्यान दे : राहुल गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि देश में रसोई गैस और तेल की किल्लत का यह शुरुआती दौर है और बदले माहौल में सरकार को ऊर्जा उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदर उठाने चाहिए।

गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए गुरुवार को कहा देश में एलपीजी और तेल की जो स्थिति है, वो अभी शुरुआत है। इस बारे में मैं सदन में बोलना चाहता था, लेकिन कोई नई प्रक्रिया शुरू हुई है। इसमें मंत्री पहले तय करेंगे, फिर मैं बोलूंगा और फिर मंत्री उस पर जवाब देंगे। अभी तैयारी करने की जरूरत है, क्योंकि अभी हमारे पास समय है। प्रधानमंत्री और सरकार को तुरंत इस समस्या से निकलने के लिए तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। अगर तैयारी नहीं की तो करोड़ों लोगों का नुकसान होगा।

उन्होंने कहा कि यह इससे भी बड़ा मुद्दा है कि ईरान हमें ईंधन लेने देता है या नहीं। यह अस्थिरता की तरफ बढने की स्थिति है और जब आप अस्थिर समय में जाते हैं तो इस हाल में मानसिकता बदलने लगती है क्योंकि यह पहले जैसी में नहीं रह सकती इसलिए सरकार को सुझाव है कि वह संभावनाओं के बारे में गहराई से सोचना शुरू करे और यह सुनिश्चित करने को कदम उठाए कि लोगों को परेशानी न हो। गांधी ने कहा, मैं कोई राजनीतिक बयान नहीं दे रहा हूं। मैं सिर्फ इतना कह रहा हूं कि मुझे आगे बड़ी समस्या नजर आ रही है। अगर ईरान के स्तर पर यह समस्या बनी हुई है, तब भी यह ठीक नहीं होगी क्योंकि दुनिया बदल रही है, समाधान बदल रहा है इसलिए हमें माइंडसेट रीसेट करना होगा। अगर हम माइंडसेट नहीं बदलेंगे, स्पष्टता नहीं रखेंगे और हिंदुस्तान को सेंटर में रखकर काम नहीं करेंगे तो समस्या होगी।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला किया और कहा, यहां एक समस्या यह है कि प्रधानमंत्री देश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करने में सक्षम नहीं हैं।

जम्मू -कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था खत्म हो गई

फारूक अब्दुल्ला हमला: राज्यसभा में भिड़ी भाजपा और कांग्रेस, घटना की व्यापक जांच कराएगी सरकार

नयी दिल्ली। जम्मू -कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ फारूक अब्दुल्ला पर बुधवार रात जानलेवा हमले के मुद्दे पर गुरुवार को राज्यसभा में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों के बीच तीखी नोक झोंक हुई और सरकार की ओर से सदन को आश्वस्त किया गया कि इस घटना की व्यापक जांच कराई जाएगी तथा उनकी सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

सदन में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शून्य काल शुरू होने से पहले यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि जम्मू -कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था खत्म हो गई है और वहां लोगों के लिए खतरे का माहौल है। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था अब केंद्र तथा सीधे गृह मंत्रालय के हाथ में है लेकिन वहां प्रमुख लोगों की जान को खतरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस हमले के लिए सीधे-सीधे केंद्र सरकार जिम्मेदार है। खरगे ने सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति को जम्मू -कश्मीर के राज्य के दर्जे से जोड़ते हुए कहा कि जब तक वहां राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया जाएगा कश्मीर सुरक्षित नहीं होगा।

फारुख अब्दुल्ला पर जम्मू में एक व्यक्ति ने चलायी गोली, बाल-बाल बचे

जम्मू। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारुख अब्दुल्ला पर बुधवार को यहां एक शादी समारोह में एक व्यक्ति ने गोली चलायी लेकिन इससे उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा। अधिकारिक सुत्रों के अनुसार, अब्दुल्ला ग्रेटर कैलाश इलाके में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। वहां एक व्यक्ति ने काफी नजदीक से उनपर गोली चला दी। उनके आसपास के लोगों और सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत उस व्यक्ति को पकड़ लिया और बाद में पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अब्दुल्ला के साथ जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी भी मौजूद थे।

बाद में चौधरी ने इस घटना को बड़ी सुरक्षा चूक करार दिया। इस बीच अब्दुल्ला के पुत्र एवं जम्मू-कश्मीर के मुख्यंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अल्लाह दयालू हैं। मेरे पिता बाल-बाल बच गए।

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई का साजा क्षेत्र का औचक निरीक्षण,अस्पताल, एसडीएम कार्यालय और आंगनवाड़ी केंद्र की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने बीते गुरुवार को साजा क्षेत्र के विभिन्न शासकीय संस्थानों का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साजा, एसडीएम कार्यालय साजा तथा भरतपुर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-4 का निरीक्षण किया और वहां संचालित व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं में सुधार और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान साजा की अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सुश्री पिंकी मनहर उपस्थित थी। सबसे पहले कलेक्टर सुश्री ममगाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साजा पहुँचीं, जहाँ उन्होंने अस्पताल परिसर का निरीक्षण करते हुए महिला वार्ड, जनरल वार्ड सहित विभिन्न कक्षों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से सीधे बातचीत कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं और उपचार की जानकारी ली। कलेक्टर ने मरीजों से पूछा कि उन्हें समय पर इलाज मिल रहा है या नहीं तथा अस्पताल में किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ और आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। मरीजों ने कलेक्टर से बातचीत के दौरान अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आंखों के ऑपरेशन के लिए आए मरीजों से भी चर्चा कर उनका

हालचाल जाना। उन्होंने मरीजों से उनके निवास स्थान, उपचार की प्रक्रिया तथा किसी प्रकार की समस्या के बारे में जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने अस्पताल के बीएमओ डॉ. अश्विनी वर्मा तथा नेत्र सहायक अधिकारी विनोद बघेल से भी चर्चा कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने तथा दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया।इसके पश्चात कलेक्टर एसडीएम कार्यालय साजा पहुँचीं, जहाँ उन्होंने कार्यालय के विभिन्न कक्षों एवं शाखाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय भवन के कुछ हिस्सों में सीपेज की समस्या, क्षतिग्रस्त दीवारें तथा टूटे हुए दरवाजों की स्थिति सामने आई। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर भवन की मरम्मत एवं आवश्यक सुधार कार्य कराने के लिए संबंधित उच्च अधिकारियों को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासकीय कार्यालयों में बेहतर कार्य वातावरण होना आवश्यक है ताकि अधिकारी-कर्मचारी सुचारू रूप से कार्य कर सकें और नागरिकों को समय पर सेवाएँ उपलब्ध हो सकें।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नगर क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था की जानकारी लेते हुए नगर पंचायत के मुख्य नगरपालिका अधिकारी को नालियों की नियमित सफाई कराने तथा स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए नगर निकायों को विशेष रूप से सजग रहना चाहिए। इसके बाद कलेक्टर भरतपुर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-4 पहुँचीं, जहाँ उन्होंने औचक निरीक्षण कर केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका उपस्थित रहीं। कलेक्टर ने बच्चों को दिए जा रहे पूरक पोषण आहार, उपस्थिति पंजी, स्वच्छता व्यवस्था तथा अन्य गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं के स्वास्थ्य और पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुँचाया जाए। कलेक्टर के इस औचक निरीक्षण से प्रशासनिक अमले में सक्रियता देखने को मिली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ किया जाए तथा आम नागरिकों को समयबद्ध और बेहतर सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसके लिए सभी अधिकारी-कर्मचारियों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा।

शासकीय योजनाओं का लाभ पाने ट्रांसजेंडर पहचान प्रमाण पत्र अनिवार्य दस्तावेज

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के पहचान प्रमाण पत्र जारी करने समीक्षा बैठक का आयोजन

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम में प्रदत्त प्रावधान अनुसार जिले के निवासी ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए विशेष रूप से आवश्यक दस्तावेज के रूप में राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर पोर्टल के माध्यम से पहचान प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को मिशन मोड में करने हेतु

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में उभयलिंग समुदाय हेतु संचालित विभागीय योजनाओं के संबंध में समुदाय के प्रतिनिधियों को जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर एफ आर निराला, सहायक संचालक समाज कल्याण विनय तिवारी, स्वयंसेवी संस्था निश्चय समिति से रूमा बोस सहित उभय लिंगी समुदाय के प्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही।

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत बेमेतरा में अरहर खरीदी कार्य का शुभारंभ

न्यूनतम समर्थन मूल्य 8000 रुपये प्रति क्विंटल पर होगी खरीदी, जिले में 9 उपार्जन केन्द्र स्थापित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा योजना) के अंतर्गत 12 मार्च 2026 को जिले के परपोड़ी उपार्जन केन्द्र में अरहर खरीदी कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। कृषि विभाग, नेफेड, मार्कफेड तथा सहकारिता विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में एक कृषक से 15 क्विंटल अरहर की खरीदी कर खरीदी कार्य की औपचारिक शुरुआत की गई। इस अवसर पर अधिकारियों ने बताया कि शासन द्वारा अरहर (तुअर) का न्यूनतम समर्थन मूल्य 8000 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जिस पर पंजीकृत किसानों से उपज की खरीदी की जा रही है। इस योजना

का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य उपलब्ध कराना, दलहन-तिलहन फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करना तथा किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है। जिला प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिले में कुल 9 उपार्जन केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जहाँ चना, अरहर, सरसों सहित विभिन्न दलहन एवं तिलहन फसलों की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी। उपार्जन केन्द्रों में तौल व्यवस्था, बारदाना, पेयजल, छाया तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अधिकारियों ने बताया कि खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से संचालित की जा रही है। किसानों की उपज की तौल इलेक्ट्रॉनिक कांटे के माध्यम से की जा रही है तथा खरीदी के बाद भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में किया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभागों द्वारा समुचित निगरानी भी की जा रही है। कृषि विभाग एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने किसानों से अपील की है कि वे अपने निकटतम उपार्जन केन्द्र में निर्धारित समयानुसार अपनी उपज लेकर आएं और शासन द्वारा संचालित इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठाएं। साथ ही किसानों को यह भी बताया गया कि खरीदी केन्द्रों में आवश्यक दस्तावेज एवं पंजीयन की प्रक्रिया पूर्ण कर ही उपज लाना सुनिश्चित करें, जिससे खरीदी प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके।जिला प्रशासन ने किसानों को भरोसा दिलाया है कि उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने तथा खरीदी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। शासन की इस पहल से जिले के किसानों को आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी और दलहन-तिलहन फसलों के उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा।

नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम / उप निर्वाचन 2026 हेतु निर्वाचक नामावली कार्यक्रम जारी

05 मई को निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आगामी आम एवं उप निर्वाचन 2026 के लिए निर्वाचक नामावली तैयार एवं पुनरीक्षित किए जाने हेतु कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार स्थानीय निकायों की निर्वाचक नामावली दिनांक 01 अप्रैल 2026 की स्थिति के आधार पर तैयार की जाएगी। जिन मतदाताओं के नाम संबंधित स्थानीय निकाय के क्षेत्र, वार्ड अथवा पंचायत से संबंधित भारत निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची में दर्ज होंगे, वही मतदाता स्थानीय निकायों की निर्वाचक नामावली में नाम दर्ज कराने के पात्र होंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार दावे-आपत्तियों के निपटारे की अंतिम तिथि 23 अप्रैल 2026 तक जिन मतदाताओं के नाम भारत निर्वाचन आयोग

की विधानसभा निर्वाचक नामावली में दर्ज होंगे, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रारूप क-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अथवा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर स्थानीय निकाय की निर्वाचक नामावली में अपना नाम दर्ज करा सकेंगे। नगरीय निकाय उप निर्वाचन के अंतर्गत अध्यक्ष के कुल 02 पद, क्रमशः नगरपालिका परिषद सारंगढ़ (जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़) तथा नगरपालिका परिषद शिवपुर-चरचा (जिला-कोरिया) में रिक्त हैं, साथ ही पार्षदों के 15 पद भी रिक्त हैं। इसके अतिरिक्त नवगठित चार निकायों–नगर पंचायत घुमका (जिला-राजनांदगांव), नगर पंचायत बम्हनीडीह (जिला-जांजगीर-चांपा), नगर पंचायत शिवनंदनपुर (जिला-सूरजपुर) तथा नगर पंचायत पलारी (जिला-बलौद)–में अध्यक्ष के 04 पद तथा पार्षदों के कुल 60 पद रिक्त हैं। इसी प्रकार त्रिस्तरीय पंचायतों में जनपद पंचायत सदस्य के 08 पद, सरपंच के 78 पद तथा पंच के 1056 पद रिक्त हैं। इस प्रकार प्रदेश के 33 जिलों में कुल 1142 पद रिक्त हैं, जिनका निर्वाचन कराया जाना है। निर्वाचक नामावली तैयार करने हेतु जारी कार्यक्रम के अनुसार रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा प्राधिकृत अधिकारियों का प्रशिक्षण 24 मार्च 2026 तक कराया जाएगा तथा निर्वाचक नामावली का मुद्रण 09 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 13 अप्रैल 2026 को किया जाएगा, जिसके बाद दावे-आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। दावे-आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है, जबकि प्रारूप क-1 में दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 24 अप्रैल 2026 होगी। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा दावे-आपत्तियों के निराकरण के आदेश के विरुद्ध अपील ऐसा आदेश पारित होने के 05 दिवस के भीतर सक्षम अधिकारी के समक्ष की जा सकेगी। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 05 मई 2026 को किया जाएगा।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बिलाईगढ़ क्षेत्र के निर्माण कार्यों और स्वास्थ्य सेवाओं का किया निरीक्षण

एसडीएम एवं तहसील कार्यालय भवन के निर्माण कार्य में तेजी लाने और मई तक पूर्ण करने के निर्देश

कलेक्टर द्वारा शाम 7 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ का औचक निरीक्षण, मरीजों से जाना स्वास्थ्य सुविधाओं का हाल, बेहतर इलाज के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने बुधवार की शाम को बिलाईगढ़ के बंगलाभाठा में निर्माणाधीन एसडीएम कार्यालय एवं तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए शेष कार्यों को जल्द शुरू करने और समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों और ठेकेदार को बाउंड्री वाल और मीटिंग हॉल का निर्माण

कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निर्माण कार्य को मई माह तक पूर्ण करने तथा गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य करने के लिए ठेकेदार को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पुराने तहसील कार्यालय भवन को जल्द डिसमेंटल कर परिसर की सफाई कराने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने शाम 7 बजे बिलाईगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल भवन में चल रहे रिपेयरिंग और निर्माण कार्य की जानकारी ली और कार्य की प्रगति का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आईपीडी में भर्ती मरीजों की स्थिति की जानकारी ली और मरीजों से चर्चा कर इलाज की गुणवत्ता के बारे में पूछा। अस्पताल में उल्टी-दस्त से पीड़ित मरीजों से भी कलेक्टर ने बातचीत की और डॉक्टरों को मरीजों का बेहतर और समय पर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला, एसडीएम प्रफुल्ल रजक, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, तहसीलदार कमलेश सिदार, जनपद सीईओ प्रतीक प्रधान उपस्थित रहे।

14 मार्च को होगा नेशनल लोक अदालत

सारंगढ़-बिलाईगढ़, ।राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में अधीनस्थ न्यायालय से उच्च न्यायालय तक के सभी न्यायालयों में वर्ष 2026 का पहला नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को किया जाएगा, जिसमें राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सुलह समझौता से निराकृत किए जाएंगे। नेशनल लोक अदालत के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय से सम्पर्क कर जानकारी ली जा सकती है। नेशनल लोक अदालत के संबंध में सबंधित व्यक्ति माननीय न्यायालय, राजस्व विभाग के कलेक्टर, अपर कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार के माननीय न्यायालय, पुलिस विभाग, नगर निगम, नगरपालिका, नगर पंचायत, बीएसएनएल, विद्युत विभाग, समस्त बैंको आदि से संपर्क कर सकते हैं।

बालिकाओं को नवीन आपराधिक कानून, बालिकाओ/महिलाओं की सुरक्षा, गुड टच - बैड टच, साइबर फ्राड, नशा मुक्ति के खिलाफ अवगत कराते हुए दी गई अन्य कानूनी जानकारियां

डीएसपी द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बेमेतरा के बालिकाओं को अपराध के प्रति सजग रहने का दिया संदेश, बालिकाओं को आत्मरक्षा के बताए उपाय

बेमेतरा/मूक पत्रिका

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस के द्वारा ÷अभिव्यक्ति÷ महिला सुरक्षा को लेकर जिले के हॉट/बाजारों एवं ग्रामों, स्कुल, कॉलेजों में बालिकाओ/ महिलाओं की सुरक्षा, नशा मुक्ति के खिलाफ एवं सायबर अपराध, महिलाओं एवं बच्चो संबंधित अपराधों व यातायात के नियमों एवं चलित थाना के माध्यम से जागरूक करने जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 12 मार्च 2026 को ÷अभिव्यक्ति÷ महिला सुरक्षा अभियान के माध्यम से ÷अभिव्यक्ति÷ महिला सुरक्षा टीम बेमेतरा डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू एवं डीएसपी श्रीमती शशीकला उईके के द्वारा थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा क्षेत्र अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बेमेतरा के शिक्षिकाओ की उपस्थिति में बालिकाओं को ÷अभिव्यक्ति÷ महिला सुरक्षा के

संबंध में विस्तृत जानकारी देकर प्रचार प्रसार किया गया। डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू एवं डीएसपी श्रीमती शशीकला उईके ने बालिकाओं को नवीन कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के संबंध में विस्तृत जानकारी दी । बालिकाओं को गुड टच और बैड टच के बारे में विशेष रूप से जागरूक किया गया। उन्होनें ने सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि कौन-सा स्पर्श सुरक्षित है और कौन-सा नहीं। उन्हें बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति ऐसा स्पर्श करे जिससे असहजता महसूस हो, डर लगे या संदेह हो, तो तुरंत ना कहें, वहां से दूर हटें और माता-पिता, शिक्षक या पुलिस जैसे विश्वसनीय व्यक्ति को इसकी जानकारी अवश्य दें। उन्होनें बालिकाओं को नो, गो, टेल, की अवधारणा समझाया। गुडटच व बेडटच, सेल्फ डिफेंस, महिलाओ पर हो रहे अपराध एवं मोबाइल से सम्बन्धित होने वाले अपराध एवं उनके रोकथाम तथा महिलाओ एवं बालिकाओ पर हो रहे लैंगिक शोषण के बचाव एवं कारण से संबंधित तथा सायबर अपराधों से बचाव हेतू महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। उन्होंने किसी भी विपरीत परिस्थिति का सामना करने के बारे में बताया। बालिकाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों पर जागरुक किया। साथ ही आत्मरक्ष के उपाय बताए। उन्होनें ने बालिकाओं को अपना एवं पुलिस कंट्रोल रूम का मोबाइल नंबर देकर यह विश्वास दिलाया कि किसी भी समस्या के समय वे उनसे एवं पुलिस कंट्रोल रूम से संपर्क कर सकती हैं। उन्होंने बालिकाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़या और उन्हें सुरक्षा के प्रति सतर्क रहना सिखाया। इसके बाद बालिकाओं को साइबर सुरक्षा और साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने बताया कि आज की डिजिटल दुनिया में बच्चे अक्सर ऑनलाइन गेम, सोशल मीडिया और इंटरनेट का उपयोग करते हैं जहां कई तरह के जोखिम मौजूद हैं। उन्होंने बच्चों को फर्जी लिंक, अंजान नंबर, ओटीपी धोखाधड़ी, गलत मैसेज, फोटो दुरुपयोग, साइबर बुलिंग जैसी गतिविधियों से बचने के तरीके समझाए। साथ ही यह भी बताया कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि तुरंत माता-पिता और पुलिस को बतानी चाहिए। बालिकाओं को नशे और अत्यधिक मोबाइल उपयोग जैसी बुरी आदतों से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चे नकारात्मक चीजों से जल्दी प्रभावित होते हैं, इसलिए उन्हें आत्मनियंत्रण और सही-गलत का विचार करना आवश्यक है। उन्होंने यह भी समझाया कि नियम और कानून सभी के लिए समान हैं और सभी अपराधों के लिए दंड प्रावधान मौजूद हैं। नशा मुक्ति को लेकर बताया कि नशा शारीरिक समस्याओं के साथ ही आर्थिक और सामाजिक स्तर पर भी नुकसान का कारण बनता है। बच्चो को नशा नहीं करने का संकल्प व इसके दुष्प्रभाव के बारे में भी अवगत कराते हुए अन्य कानूनी जानकारियां दी गई।

सफलता की कहानी : अज्ञानता से जागरूकता तक : राष्ट्रीय पोषण माह अभियान से बदली लीला निषाद की जिंदगी

कुपोषण और एनीमिया से जूझने वाली महिला बनी स्वास्थ्य जागरूकता की मिसाल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्राम देवरी, परियोजना बेरला, जिला बेमेतरा की रहने वाली लीला निषाद आज अपने गाँव की महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं। कभी कुपोषण और एनीमिया जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझने वाली लीला आज स्वस्थ जीवनशैली और संतुलित आहार की मिसाल बन गई हैं। इस सकारात्मक परिवर्तन का श्रेय वे राष्ट्रीय पोषण माह अभियान को देती हैं, जिसने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी।

संघर्ष भरा शुरुआती जीवन-लीला निषाद का विवाह वर्ष 2016 में ग्राम देवरी निवासी भागीरथी निषाद के साथ हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी और उनके पति मजदूरी कर किसी तरह घर का गुजारा करते थे। विवाह के एक वर्ष बाद लीला गर्भवती हुईं, लेकिन पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और सही जानकारी के अभाव में उन्होंने एक अस्वस्थ एवं कुपोषित बच्चे को जन्म दिया। दुर्भाग्यवश जन्म के कुछ ही दिनों बाद उस बच्चे की मृत्यु हो गई।इस घटना ने लीला को मानसिक रूप से गहरा आघात पहुंचाया। धीरे-धीरे उनका स्वास्थ्य भी कमजोर होने लगा। स्वास्थ्य जांच के दौरान पता चला कि वे एनीमिया से ग्रस्त हो चुकी हैं। उस समय उन्हें यह समझ नहीं आ रहा था कि अपने स्वास्थ्य को कैसे सुधारा जाए।

आंगनबाड़ी से मिली नई उम्मीद-एक दिन गाँव की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती अमरौतिन साहू ने उन्हें आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित राष्ट्रीय पोषण माह के पोषण मेले में आने के लिए आमंत्रित किया। शुरुआत में लीला झिझकीं, लेकिन कार्यकर्ता के आग्रह पर वे केंद्र पहुंचीं।पोषण मेले में उन्होंने पहली बार हरी सब्जियों, दालों, अनाज, फलों और स्थानीय पौष्टिक खाद्य पदार्थों की आकर्षक प्रदर्शनी देखी। स्वास्थ्य कर्मियों और कार्यकर्ताओं ने गर्भवती महिलाओं के लिए संतुलित आहार के महत्व, आयरन, कैल्शियम, फोलिक एसिड और एल्बेन्डाजोल जैसी दवाओं के नियमित सेवन, स्वच्छता और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।इस कार्यक्रम ने लीला के मन में एक नई सोच पैदा की। उन्हें एहसास हुआ कि कई बीमारियां अज्ञानता के कारण होती हैं और सही जानकारी ही उनका सबसे बड़ा समाधान है।

जीवनशैली में आया सकारात्मक बदलाव-इसके बाद लीला नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र जाने लगीं। वे पोषण माह के दौरान आयोजित गतिविधियों – पोषण परामर्श सत्र, हरी सब्जी प्रतियोगिता और पौष्टिक आहार प्रदर्शनी – में सक्रिय रूप से भाग लेने लगीं। धीरे-धीरे उनके व्यवहार, सोच और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आने लगा।वर्ष 2019 में जब लीला फिर से गर्भवती हुईं, तब वे पहले से अधिक जागरूक थीं। उन्होंने संतुलित आहार लेना शुरू किया, नियमित टीकाकरण कराया, आयरन और कैल्शियम सप्लीमेंट का सेवन किया तथा स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना लिया।

स्वस्थ बेटी के जन्म से लौटी खुशियां-इन सभी प्रयासों का परिणाम यह हुआ कि 31 मार्च 2020 को लीला ने एक स्वस्थ बालिका को जन्म दिया। बच्ची को गोद में लेते हुए उनकी आंखों में खुशी के आंसू थे। उस पल उन्हें महसूस हुआ कि सही जानकारी और जागरूकता से जीवन को नई दिशा दी जा सकती है।

आज बनीं अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा-आज लीला निषाद न केवल स्वयं स्वस्थ और जागरूक हैं, बल्कि अपने गाँव की अन्य महिलाओं को भी पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करती हैं। वे हर वर्ष राष्ट्रीय पोषण माह के आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लेती हैं और अपने अनुभव साझा कर महिलाओं को संतुलित आहार और स्वास्थ्य के प्रति प्रेरित करती हैं।लीला की कहानी इस बात का प्रमाण है कि जब सरकारी योजनाएँ जनभागीदारी से जुड़ती हैं, तो वे लोगों के जीवन में वास्तविक और सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं।राष्ट्रीय पोषण माह अभियान आज केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वस्थ भारत की दिशा में एक जन आंदोलन बन चुका है, जिसने लीला निषाद जैसी अनेक महिलाओं के जीवन में नई रोशनी जगाई है।

घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग पर खाद्य विभाग की कार्रवाई

बेमेतरा में होटल व प्रतिष्ठानों की जांच, 10 घरेलू गैस सिलेंडर पाए गए उपयोग में

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला बेमेतरा में घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग को रोकने के उद्देश्य से खाद्य विभाग द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया गया। 12 मार्च 2026 को खाद्य विभाग की टीम ने शहर में संचालित विभिन्न होटल, ढाबा और खाद्य प्रतिष्ठानों में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करते हुए पाए जाने पर कार्रवाई की गई।जांच के दौरान कुल 10 घरेलू गैस सिलेंडर विभिन्न प्रतिष्ठानों में व्यावसायिक कार्यों में उपयोग करते हुए पाए गए। इनमें गुजराती स्वीट्स से 2 सिलेंडर, चाचा भतीजा से 1 सिलेंडर, जय मां शीतला ढाबा से 1 सिलेंडर, मनोहर चाय से 2 सिलेंडर, आरसी किचन से 2 सिलेंडर, यादव पुड़ी सब्जी से 1 सिलेंडर तथा अनिल स्वीट्स से 1 सिलेंडर बरामद किए गए।खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग केवल घरेलू कार्यों के लिए ही किया जाना निर्धारित है, जबकि होटल, ढाबा या अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में इसका उपयोग करना नियमों के विरुद्ध है। ऐसे मामलों में द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियमन) आदेश, 2000 के तहत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने सभी होटल संचालकों एवं व्यवसायियों से अपील की है कि वे घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग व्यावसायिक कार्यों में न करें और नियमानुसार केवल व्यावसायिक गैस सिलेंडरों का ही उपयोग करें।

निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों का पालन करते हुए कराया जा रहा है

बेमेतरा । नगर पंचायत देवकर अंतर्गत निर्माण कार्य एवं प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों का पालन करते हुए कराया जा रहा है। नगर पंचायत प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी निर्माण कार्य शासन के दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप कराए जा रहे हैं।सी.सी. रोड निर्माण कार्य मानक अनुरूप-नगर पंचायत देवकर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 03 में परपोडी चौक से पौनीपसारी बाजार तथा उससे आगे तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य ठेकेदार अंकुश शर्मा, साजा द्वारा कराया जा रहा है। यह निर्माण कार्य पौनी पसारी के पीछे स्थित शीतला तालाब के बंड क्षेत्र में किया जा रहा है। नगर पंचायत ने बताया कि उक्त सड़क निर्माण हेतु विधिवत प्रस्ताव पारित किया गया है। निर्माण कार्य से शीतला तालाब के जलभराव क्षेत्र में किसी प्रकार का प्रदूषण नहीं हो रहा है। साथ ही, छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर द्वारा संचालित राज्य प्रवर्तित योजना ÷नवीन सरोवर-धरोहर योजना÷ के अंतर्गत पाथवे निर्माण का प्रावधान है।

भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) सारंगढ़ बिलाईगढ़ का कार्य प्रारम्भ

जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन ने सब्जी नर्सरी प्रबंधन प्रशिक्षण का किया अवलोकन

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) सारंगढ़ में संचालित सब्जी नर्सरी प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी इंद्रजीत बर्मन ने संस्थान का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षण कक्ष में उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से मुलाकात की तथा चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण के दौरान सब्जी उत्पादन, सब्जी नर्सरी तैयार करने की तकनीक तथा इससे जुड़े स्वरोजगार के अवसरों के बारे में चर्चा की गई। सीईओ ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन ग्रामीण क्षेत्रों में आय बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रशिक्षणार्थियों को इस क्षेत्र में आगे बढ़ने तथा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर आरसेटी सारंगढ़ के अधिकारी एवं स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन सतर्क, नोडल अधिकारियों की नियुक्ति और संपर्क नंबर जारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्रीष्मकालीन मौसम को ध्यान में रखते हुए जिले में पेयजल की सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी क्रम में जिला बेमेतरा में पेयजल आपूर्ति से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु जिला, विकासखंड एवं जनपद स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है तथा उनके संपर्क नंबर भी जारी किए गए हैं।

जिला प्रशासन ने बताया कि गर्मी के दौरान किसी भी ग्राम या क्षेत्र में पेयजल की समस्या उत्पन्न होने, हैंडपंप खराब होने अथवा बंद होने की शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों का पेयजल कंट्रोल रूम भी गठित किया गया है।

इसके माध्यम से प्राप्त शिकायतों का शीघ्र निराकरण किया जाएगा। इसके अलावा नागरिकों की सुविधा के लिए टोल फ्री नंबर 1800-233-0008 भी जारी किया गया है, जिस पर पेयजल संबंधी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि गर्मी के मौसम में आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार विभिन्न स्तरों पर निम्न अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है–**जिला स्तर पर** नोडल अधिकारीश्री मोतीलाल ठाकुर, सहायक मानचित्रकार-मोबाइल नंबरः 7389531388

बेमेतरा विकासखंड स्तर पर-श्री संतोष कुमार नायक, सहायक अभियंता-मोबाइल नंबरः 7049301410

बेमेतरा जनपद स्तर पर-श्री योगेश कुमार सिन्हा, उपअभियंतामोबाइल नंबरः 8085527621

नवागढ़ विकासखंड स्तर पर-श्री डी.के. कोशले, उपअभियंतामोबाइल नंबरः 8871926074

साजा विकासखंड स्तर पर-श्री संदीप प्रधान, सहायक अभियंतामोबाइल नंबरः 8770439831

साजा जनपद स्तर पर-श्री ए.के. करैया, उपअभियंतामोबाइल नंबरः 8878832200

बेरला जनपद स्तर पर-श्री डी.एल. वर्मा मोबाइल नंबरः 9691188118 जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि पेयजल संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित नोडल अधिकारी अथवा टोल फ्री नंबर पर जानकारी दें, ताकि समस्या का शीघ्र निराकरण किया जा सके। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू रहेगा और पेयजल व्यवस्था पर निरंतर निगरानी रखी जाएगी।

बरमकेला अंचल के कई आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति जर्जर, कई केंद्र किराए के मकानों में संचालित

बरमकेला/मूक पत्रिका

बच्चों के प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और समग्र विकास के लिए बनाए गए आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति बरमकेला क्षेत्र में बेहद चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार नगर क्षेत्र में संचालित पाँच आंगनबाड़ी केंद्रों में से चार केंद्र जर्जर अवस्था में हैं। भवनों की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि कई जगहों पर आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन मजबूरी में किराए के मकानों में किया जा रहा है। इससे न केवल बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं बल्कि उनके बेहतर शैक्षणिक और मानसिक विकास पर भी प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। आंगनबाड़ी केंद्र देश की समेकित बाल विकास सेवा (ढ्ढष्ठस्) योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य छोटे बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराना है। यहां 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को खेल-आधारित गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर दिया जाता है, साथ ही गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को भी पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। लेकिन बरमकेला में इन केंद्रों की वास्तविक स्थिति इस उद्देश्य के विपरीत दिखाई दे रही है। कई आंगनबाड़ी भवन वर्षों पुराने और जर्जर हो चुके हैं। दीवारों में दरारें, छत से पानी टपकने की समस्या, पर्याप्त जगह की कमी और मूलभूत सुविधाओं का अभाव आम बात बन गई है। ऐसे में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को भी कार्य संचालन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए कई स्थानों पर केंद्रों को किराए के मकानों में संचालित करना पड़ रहा है। किराए के भवनों में भी पर्याप्त जगह और सुविधाएं नहीं मिल पातीं, जिससे बच्चों के बैठने, खेलने और पढ़ने की व्यवस्था प्रभावित होती है। कई बार छोटे कमरों में ही बच्चों को बैठाकर गतिविधियां करानी पड़ती हैं। भारत सरकार द्वारा लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ह्श्वक्क) 2020 में आंगनबाड़ी या बालवाड़ी को 3 से 8 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक शिक्षा और विकास का आधार स्तंभ माना गया है। नई शिक्षा नीति में 5+3+3+4 शिक्षा संरचना के तहत पहले चरण में बच्चों की बुनियादी साक्षरता, संज्ञानात्मक विकास, शारीरिक विकास तथा सामाजिक और भावनात्मक विकास पर विशेष जोर दिया गया है। इसके लिए खेल-आधारित और गतिविधि-आधारित शिक्षा पद्धति को बढ़ावा दिया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के जीवन के शुरुआती वर्ष उनके मानसिक और शारीरिक विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इस समय उन्हें उचित वातावरण, पोषण और शिक्षा नहीं मिल पाती तो इसका असर आगे की पढ़ाई और विकास पर भी पड़ सकता है। बरमकेला में आंगनबाड़ी केंद्रों की जर्जर स्थिति को देखते हुए स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों में भी चिंता का माहौल है। उनका कहना है कि छोटे-छोटे बच्चों को ऐसे असुरक्षित भवनों में भेजना जोखिम भरा हो सकता है। कई अभिभावक यह भी मांग कर रहे हैं कि प्रशासन जल्द से जल्द नए और सुरक्षित आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण कराए, ताकि बच्चों को बेहतर वातावरण में शिक्षा और पोषण मिल सके। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि बच्चों की शिक्षा की शुरुआत ही कमजोर व्यवस्था से होगी तो इसका असर उनके भविष्य पर भी पड़ेगा। ÷नींव अगर कमजोर होगी तो उस पर बनने वाला भवन भी कमजोर ही होगा।÷ इसी तरह यदि आंगनबाड़ी जैसे महत्वपूर्ण केंद्रों की स्थिति मजबूत नहीं होगी तो बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कल्पना करना भी मुश्किल होगा। ऐसे में आवश्यकता है कि संबंधित विभाग और प्रशासन इस गंभीर समस्या पर ध्यान देते हुए जर्जर आंगनबाड़ी भवनों की मरम्मत या नए भवनों के निर्माण की दिशा में शीघ्र कदम उठाए, ताकि बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर वातावरण में प्रारंभिक शिक्षा एवं पोषण मिल सके।

विभाग ने भेजी रिपोर्ट, जल्द कार्य होने की उम्मीद; खुर्शीद बानो-इस संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग की अधिकारी खुर्शीद बानो खान ने बताया कि जर्जर आंगनबाड़ी भवनों की जानकारी उच्च कार्यालय को भेज दी गई है। विभाग द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है और जल्द ही सुधार या निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

करंट से दो हाथियों की मौत मामले में बड़ा खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तारज एक फरार

रायगढ़/मूक पत्रिका

घरघोड़ा वन परिक्षेत्र अंतर्गत कुरकुट नदी के पास दो हाथियों के शव मिलने के मामले में वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। सघन जांच और पूछताछ के बाद वन विभाग की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी फरार बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार 11 फरवरी को घरघोड़ा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत कुरकुट नदी के पास दो सावन हाथियों के शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था। शव नदी में होने के कारण वन विभाग के लिए मौत के कारणों का पता लगाना चुनौतीपूर्ण था। मामले की गंभीरता को देखते हुए रायगढ़ वन मंडलाधिकारी अरविंद पीएम के निर्देश पर उप वन मंडलाधिकारी आशुतोष मंडावा के मार्गदर्शन में और प्रभारी वन परिक्षेत्र अधिकारी विक्रांत सिंह के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने जांच शुरू की। लगातार पूछताछ और सघन जांच के बाद टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपियों में रामकुमार राठिया (55 वर्ष) पिता मेहत राम और धरम सिंह राठिया (38 वर्ष) पिता फूल सिंह, दोनों निवासी पाका दरहा शामिल हैं। आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और उन्हें शुक्रवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने खेत में सिंचाई के लिए नदी में मोटर लगाई थी, जिससे करंट फैल गया और तीन दिन पहले उसकी चपेट में आने से दो हाथियों की मौत हो गई। घटना में प्रयुक्त सोलर प्लेट, तार, बैटरी, फेंसिंग वायर, वाटर पाइप सहित अन्य सामग्री भी वन विभाग ने जब्त कर ली है। वन विभाग ने आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं फरार आरोपी की तलाश जारी है।

आयुष विभाग और जिला चिकित्सालय के संयुक्त प्रयास से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए किया जा रहा प्रेरित

जिला बेमेतरा के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता लाने नई पहल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा के ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता लाने आयुष विभाग एवं जिला चिकित्सालय द्वारा संयुक्त प्रयास से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करने विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह जागरूकता अभियान छत्तीसगढ़ शासन संचालनालय आयुष विभाग तथा राष्ट्रीय आयुष मिशन अंतर्गत संचालित जिला चिकित्सालय बेमेतरा के एनसीडी क्लीनिक द्वारा आयुष विभाग के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता लाने संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों को जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। यह जागरूकता अभियान जिला कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ वीणा मिश्रा के साथ सिविल सर्जन डॉ लोकेश साहू के मार्गदर्शन में व आयुष विभाग से डॉ चिरंजीवी वर्मा आयुर्वेद चिकित्सक एवं विशेषज्ञ पंचकर्म के साथ योग एवं प्राकृतिक चिकित्सक डॉ भूमिका साहू के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। आज के समय में बदलती जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या, असंतुलित खान-पान और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा, लीवर और किडनी से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। चिकित्सा विज्ञान में इन बीमारियों को गैर-संक्रामक रोग (ह्रष्ठ) कहा जाता है। ये बीमारियां धीरे-धीरे शरीर को प्रभावित करती हैं और समय रहते ध्यान न देने पर गंभीर रूप ले सकती हैं। इसी उद्देश्य से एनसीडी क्लीनिक द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है ताकि वे छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज न करें और समय रहते अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकें। जनवरी माह से अब तक पेंड्रितराई, जेवरा, मोहरेंगा, कुसुमी, वृद्धाश्रम बेमेतरा, कोबीया, पिकरी, विद्यानगर तथा मानपुर सहित विभिन्न स्थानों पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से ऐसे लोगों तक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पहुंचाई जा रही है जो किसी कारणवश अस्पताल तक नहीं पहुंच पाते या अपनी छोटी समस्याओं को सामान्य समझकर अनदेखा कर देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि गैस, एसिडिटी, अपच, थकान और सिरदर्द जैसी समस्याओं को यदि लगातार नजरअंदाज किया जाए तो आगे चलकर ये बड़ी बीमारियों का कारण बन सकती हैं।÷ आपका भोजन ही आपकी सबसे बड़ी दवा है÷ आयुर्वेद चिकित्सक (पोस्ट ग्रेजुएट) डॉ. चिरंजीवी ने बताया कि आज के समय में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां समाज के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, स्ट्रोक, कैंसर, लीवर तथा किडनी से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं और इनका प्रमुख कारण हमारी गलत जीवनशैली और खान-पान की आदतें हैं।उन्होंने कहा कि यदि हम अपने दैनिक जीवन में संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, पर्याप्त नींद और शारीरिक गतिविधियों को शामिल करें तो इन बीमारियों से काफी हद तक बचा जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा,÷यदि हम अपने भोजन को संतुलित और प्राकृतिक रखें तो वही भोजन हमारे शरीर के लिए सबसे बड़ी दवा बन सकता है।÷

रोग के अनुसार ही करें योगाभ्यास -जिला चिकित्सालय बेमेतरा एनसीडी क्लीनिक में पदस्थ योग एवं प्राकृतिक चिकित्सक डॉ. भूमिका साहू ने बताया कि समाज में योग के बारे में कई भ्रांतियां फैली हुई हैं। बहुत से लोग यह मानते हैं कि सभी प्रकार के योगासन और प्राणायाम हर व्यक्ति के लिए समान रूप से लाभदायक होते हैं, जबकि ऐसा नहीं है।उन्होंने कहा कि योगाभ्यास हमेशा व्यक्ति की शारीरिक स्थिति और रोग के अनुसार ही करना चाहिए।उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जिन लोगों को उच्च रक्तचाप की समस्या होती है, उन्हें कपालभाति और भस्त्रिका जैसे तीव्र प्राणायाम से बचना चाहिए, क्योंकि इससे रक्तचाप बढ़ सकता है। इसी प्रकार कई रोगों में कुछ योगासन लाभकारी होते हैं, जबकि कुछ योगासन नहीं करने चाहिए। इसलिए योग का अभ्यास विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में ही करना उचित होता है।

प्रकृति से जुड़कर ही संभव है बेहतर स्वास्थ्य - डॉ. भूमिका साहू ने प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा उतनी ही पुरानी है जितनी यह प्रकृति स्वयं है। जब आधुनिक चिकित्सा पद्धतियां विकसित नहीं हुई थीं, तब भी लोग प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर स्वस्थ जीवन जीते थे।

उन्होंने कहा कि जल, मिट्टी, वायु, सूर्य, पेड़-पौधे और प्राकृतिक रंग जैसे तत्व हमारे जीवन के आधार हैं और यही तत्व हमारे स्वास्थ्य की रक्षा भी करते हैं। लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग धीरे-धीरे प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, जिसके कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं।उन्होंने बताया कि कई छोटी समस्याओं का समाधान घर में उपलब्ध साधारण चीजों से भी किया जा सकता है। उदाहरण के लिए गैस या एसिडिटी होने पर तुरंत दवा लेने की बजाय घर में उपलब्ध जीरा, अजवाइन, सौंफ और धनिया का पानी पीने से पाचन तंत्र को लाभ मिलता है और गैस तथा एसिडिटी में राहत मिल सकती है।इसी प्रकार शरीर में दर्द होने पर गर्म और ठंडे पानी से सेक करने जैसे सरल उपाय भी काफी राहत दे सकते हैं।

सभी चिकित्सा पद्धतियों का अपना महत्व - विशेषज्ञों ने यह भी स्पष्ट किया कि योग, प्राकृतिक चिकित्सा और आयुर्वेद अपनाने का अर्थ यह नहीं है कि एलोपैथिक चिकित्सा का महत्व कम है। आपातकालीन परिस्थितियों में एलोपैथिक चिकित्सा जीवनरक्षक सिद्ध होती है।तेज बुखार, तीव्र दर्द या गंभीर बीमारी की स्थिति में डॉक्टर से परामर्श लेना और आवश्यक दवाइयां लेना अत्यंत आवश्यक है। सभी चिकित्सा पद्धतियां अपने-अपने स्थान पर महत्वपूर्ण हैं और इनका उद्देश्य मानव स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में प्रयास - आयुष विभाग और जिला चिकित्सालय के संयुक्त प्रयास से चलाया जा रहा यह जागरूकता अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस पहल के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया जा रहा है कि यदि वे अपनी जीवनशैली में छोटे-छोटे सकारात्मक बदलाव करें, संतुलित आहार लें, नियमित योग करें और प्रकृति के साथ जुड़कर जीवन जीएं, तो वे कई गंभीर बीमारियों से स्वयं को बचा सकते हैं और एक स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दे सकते हैं।

संपादकीय

जंग की आंच बाजार तक, तेल संकट

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद जिस बात का डर था, उसकी शुरुआत अब हो चुकी है। यानी जो देश इस जंग में शामिल नहीं हैं, उन तक भी इसकी आंच पहुंचनी शुरू हो चुकी है। जब दो या अधिक देशों के बीच युद्ध का मोर्चा खुलता है, तो उसका असर सिर्फ इस रूप में सामने नहीं आता कि एक-दूसरे पर किए गए हमले के नतीजे में जानमाल की व्यापक क्षति होती है। बल्कि जंग के लंबा खिंचने पर कई स्तरों पर जरूरी सामग्री की आपूर्ति बाधित होती है और नतीजतन बाजार में लगभग सभी चीजों की कीमतें तेजी से बढ़ने लगती हैं।ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद जिस बात का डर था, उसकी शुरुआत अब हो चुकी है। यानी जो देश इस जंग में शामिल नहीं हैं, उन तक भी इसकी आंच पहुंचनी शुरू हो चुकी है। हाल ही में भारत के शेयर बाजार पर भी इसका असर देखा गया, जहां बड़ी गिरावट की वजह से निवेशकों को लगभग उन्नीस लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।चूंकि युद्ध की तीव्रता में फिलहाल कोई नरमी नहीं देखी जा रही है, इसलिए यह स्थिति अभी कायम रहने की आशंका है। मगर इससे इतर अब युद्ध का असर देश के आम लोगों के घर के दरवाजे तक पहुंचना शुरू हो चुका है। मसलन, रसोई गैस की कीमत में साठ रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है।कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने की वजह से भारत सहित अन्य कई देशों को नए रास्तों की ओर देखना पड़ रहा है। इस बीच कच्चे तेल की कीमतों के सौ डालर प्रति बैरल तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।अंदाजा लगाया जा सकता है कि बाजार के इस रुख का असर कहां तक जा सकता है और अगर युद्ध लंबा खिंचा, तो वैसे देशों में कैसी मुश्किल पैदा होगी, जहां की अर्थव्यवस्था और जीवनयापन का एक बड़ा हिस्सा बाहर से आपूर्ति पर निर्भर है।इजरायली हमले के बाद प्रतिक्रिया में ईरान ने जो रुख अख्तियार किया है, उससे पहले ही कई मुख्य तेल उत्पादक देशों में असुरक्षा का माहौल है। फिर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के रास्ते को ईरान ने जिस तरह बाधित कर दिया है, उससे दुनिया के एक बड़े हिस्से में तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी।होर्मुज की नाकाबंदी की वजह से उस इलाके में फंसे जहाजों को लंबा रास्ता तय करना होगा। भारत के सामने ही स्थिति यह है कि इसके पास अगले छह से आठ हफ्ते का तेल भंडार है। स्वाभाविक ही भारत को अब तेल के लिए अन्य वैकल्पिक स्रोतों की ओर देखना होगा।राहत की बात यह है कि एक ओर रूस ने भारत को तेल बेचने की पेशकश की, तो दूसरी ओर अमेरिका ने भी इस मसले पर नरम रुख अपनाया है। इसके बावजूद पश्चिम एशिया में चल रहे इस युद्ध का असर केवल वैश्विक स्तर पर तेल और गैस के बाजारों पर ही नहीं पड़ा है, बल्कि तनाव में बढ़ोतरी कई बड़े उद्योगों के लिए भी चिंता का कारण बन रहा है, क्योंकि इस क्षेत्र के लिए कच्चे माल की आपूर्ति भी बाधित हो रही है।खासतौर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल आना और इसका असर बाजार में अन्य लगभग सभी सामान पर पड़ना तय माना जा रहा है। दरअसल, इसके समांतर माल ढुलाई के महंगा होने की वजह से सब्जियों से लेकर दूसरी कई जरूरी चीजों के दाम भी बढ़ेंगे।निश्चित रूप से इससे प्रभावित देशों को अपने स्तर पर विकल्प और समाधान निकालने की जरूरत है। मगर सवाल है कि क्या युद्ध में शामिल देशों को इस बात की फिक्र है कि उनकी वजह से दुनिया भर में आम लोगों के सामने अपनी अनिवार्य जरूरतें पूरी करने के लिए जद्दोजहद के कितने मोर्चे खुल गए हैं।

नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। मानव सभ्यता के विकास की कथा में यदि किसी शक्ति ने सबसे अधिक सृजन किया है, तो वह नारी शक्ति है। वह जीवन की जननी है, संस्कृति की वाहक है और समाज की संवेदनशील आत्मा है। भारतीय परंपरा ने नारी को केवल एक सामाजिक भूमिका तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे 'माता' के रूप में सर्वोच्च आदर दिया।

नारी शक्ति का नया युग और वास्तविक चुनौतियां

(ललित गर्ग)

'मातृदेवो भवः' की वाणी से लेकर 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' की घोषणा तक हमारी संस्कृति में नारी के प्रति श्रद्धा का अद्वितीय भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत में धरती, गौ और मातृभूमि तक को 'माता' कहकर संबोधित किया गया। किन्तु विडम्बना यह है कि जिस समाज ने नारी को देवी का दर्जा दिया, उसी समाज में आज भी नारी असुरक्षा, भेदभाव और हिंसा का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह अवसर देता है कि हम नारी की वास्तविक स्थिति का गंभीर आत्ममंथन करें। विश्व स्तर पर किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि नारी की स्थिति में प्रगति अवश्य हुई है, किन्तु समानता, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता की यात्रा अभी लंबी है। विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 के अनुसार विश्व में लैंगिक समानता का लगभग 68.8 प्रतिशत अंतर ही समाप्त हो पाया है, अर्थात् अभी भी लगभग एक तिहाई अंतर शेष है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में यह अंतर सबसे अधिक है, जहाँ समानता केवल लगभग 61 प्रतिशत तक ही पहुँची है।

वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है। एक ओर भारतीय महिलाएँ अंतरिक्ष, विज्ञान, सेना, राजनीति और प्रशासन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर श्रम बाजार में उनकी भागीदारी अभी भी कम है। हाल के आँकड़ों के अनुसार भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 32 प्रतिशत है और बड़ी संख्या में महिलाएँ घरेलू दायित्वों के कारण रोजगार से बाहर रहती हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड के यह आँकड़े केवल संख्या नहीं हैं, यह समाज की संरचना, सोच और अवसरों की असमानता को उजागर करते हैं। आज दुनिया के अनेक देशों में महिलाएँ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी और उद्योगपति के रूप में नेतृत्व कर रही हैं। भारत में भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, वैज्ञानिक और फाइटर पायलट के रूप में महिलाओं की उपस्थिति इस परिवर्तन का प्रमाण बनी है और बन रही है। किंतु इसके साथ यह भी सत्य है कि दुनिया में अभी भी केवल सीमित देशों में ही महिलाएँ सर्वोच्च राजनीतिक पदों पर हैं और समान वेतन का प्रश्न अभी भी अधूरा है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार महिलाओं को समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में औसतन कम वेतन मिलता है। एक और चिंताजनक तथ्य यह है कि संघर्ष, युद्ध और संकट की स्थितियों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। हाल के वैश्विक अध्ययनों के अनुसार 2024 में लगभग 67 करोड़ महिलाएँ ऐसे क्षेत्रों में रह रही थीं जो किसी न किसी

प्रकार के हिंसक संघर्ष से प्रभावित थे।

नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। स्वतंत्रता संग्राम में रानी चेनम्मा, बेगम हजरत महल, रानी अवन्तीबाई, सरोजिनी नायडू और दुर्गा भाभी जैसी वीरांगनाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि संघर्ष और साहस की भी प्रतीक है। लेकिन इतिहास के इन गौरवपूर्ण अध्यायों के बावजूद सामाजिक वास्तविकता कई बार पीड़ादायक दिखाई देती है। दहेज, भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा, मानव तस्करी और यौन अपराध आज भी दुनिया के अनेक समाजों में मौजूद हैं। यह केवल कानून का नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता का प्रश्न है। दरअसल नारी समस्या का मूल कारण केवल बाहरी संरचनाएँ नहीं हैं, बल्कि वह सोच है जिसने सदियों तक नारी को 'कमजोर' मानकर उसकी क्षमता को सीमित करने का प्रयास किया।

जब समाज नारी को केवल भूमिका से जोड़ता है, व्यक्ति के रूप में नहीं देखता, तभी असमानता जन्म लेती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का वैश्विक संदेश भी इसी दिशा में संकेत करता है- ''सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, न्याय और वास्तविक कार्रवाई।'' यह संदेश हमें याद दिलाता है कि आज भी दुनिया में महिलाओं को पुरुषों के समान कानूनी अधिकार पूरी तरह प्राप्त नहीं हैं और औसतन उन्हें पुरुषों के मुकाबले लगभग 64 प्रतिशत ही कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ कि यह स्थिति हमें सोचने के लिए बाध्य करती है कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन कानूनों को सामाजिक चेतना में बदलना भी आवश्यक है। नारी सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ केवल अधिकार देना नहीं है, बल्कि अवसर, सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल साक्षरता, आर्थिक स्वावलंबन और राजनीतिक भागीदारी, ये पाँच स्तंभ नारी सशक्तिकरण की वास्तविक नींव हैं। परंतु इस परिवर्तन की शुरुआत घर से ही होगी। यदि परिवार में बेटी और बेटे को समान अवसर मिलते हैं, यदि शिक्षा में भेदभाव समाप्त होता है, यदि विवाह और दहेज जैसी कुप्रथाओं को समाज स्वयं अस्वीकार करता है, तभी नारी की वास्तविक मुक्ति संभव है।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये।

नारी को भी अपने भीतर की शक्ति को पहचानना होगा। इतिहास गवाह है कि जब नारी ने अपने आत्मबल को पहचाना है, तब समाज की दिशा बदल गई है। शिक्षा और आत्मविश्वास नारी के लिए वही भूमिका निभाते हैं जो प्रकाश अंधकार के लिए करता है। आज की नारी केवल अधिकारों की मांग करने वाली नहीं, बल्कि परिवर्तन की निर्माता है। वह विज्ञान में शोध कर रही है, आकाश में विमान उड़ा रही है, संसद में कानून बना रही है, और समाज में नेतृत्व कर रही है। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि नारी सम्मान का प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सभ्यता का प्रश्न है। जिस समाज में नारी सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर होती है, वही समाज वास्तव में विकसित और मानवीय कहलाता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि नारी को सम्मान देने का कार्य केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे वर्ष की सामाजिक चेतना होना चाहिए। जब समाज यह स्वीकार कर लेगा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला नहीं, बल्कि भविष्य की निर्माता है, तब वह दिन दूर नहीं होगा जब 'नारी सशक्तिकरण' शब्द की आवश्यकता ही समाप्त हो जाएगी-क्योंकि नारी स्वाभाविक रूप से सशक्त होगी और तब शायद दुनिया सचमुच उस आदर्श को जी पाएगी, जिसे भारतीय संस्कृति ने हजारों वर्ष पहले कहा था-यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ईरान-इजरायल युद्ध के बीच खाने का संकट हो सकता है पैदा, होर्मुज इफेक्ट से कई देश होंगे प्रभावित

(संजीव कुमार)

ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के चलते पश्चिम एशिया के हालात बिगड़ सकते हैं। इस युद्ध का असर तेल और गैस आपूर्ति पर असर पड़ रहा है। कई देशों को खाद्य

असुरक्षा और महंगाई का सामना करना पड़ सकता है। यूक्रेन और रूस युद्ध के समय भी स्थिति बिगड़ी थी।

ईरान-इजरायल युद्ध के चलते पश्चिम एशिया के हालात की वजह से तेल और गैस आपूर्ति पर असर पड़ रहा है। इसका नतीजा मार्केट पर दिखने लगा है। लेकिन, इसके बीच एक और संकट गहरा रहा है - उर्वरक आपूर्ति में कमी। अगर यह बाधा लंबे समय तक जारी रहती है तो दुनिया को खाद्य असुरक्षा और महंगाई का सामना करना पड़ सकता है।

होर्मुज इफेक्ट- पश्चिम एशिया दुनिया का एक बड़ा उर्वरक उत्पादक क्षेत्र है। वैश्विक यूरिया निर्यात का लगभग 35त्न होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। इसी रास्ते से दुनिया का 45त्न सल्फर भी ट्रांसपोर्ट होता है। यूरिया सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला फर्टिलाइजर है, जिसकी वजह से दुनिया का करीब आधा अनाज पैदा होता है। होर्मुज पर ईरान की पहरेदारी के चलते शिपमेंट का आना-जाना बंद है और हर बीतते दिन के साथ सप्लाई चेन टूट रही है। स्थिति ज्यादा गंभीर। करीब 4 साल पहले, जब यूक्रेन और रूस युद्ध शुरू हुआ था, तब भी इसी तरह की सिचुएशन बनी थी। उस वक्त दो बड़े झटके लगे थे - गेहूं की आपूर्ति में कमी और फर्टिलाइजर्स की कीमतों में तेज उछाल। यूक्रेन और रूस मिलकर गेहूं का करीब 30त्न ग्लोबल एक्सपोर्ट करते हैं, जिस पर उस समय एकदम से रोक लग गई थी। हालांकि तब जल्द ही रूस से दोनों चीजों का निर्यात जारी रहा। वहीं, भारत जैसे देशों ने गेहूं निर्यात बढ़ा दिया। लेकिन, इस बार सीधे समुद्री मार्ग बाधित होने से स्थिति दूसरी है। प्रॉडक्शन रोका। ईरान ने जिस तरह से दूसरे अरब देशों में मौजूद फैसिलिटीज को निशाना बनाया है, उससे भी असर पड़ा है। समुद्र के रास्ते होने वाले यूरिया के कुल व्यापार में क्वाटर एनर्जी की हिस्सेदारी लगभग 10 प्रतिशत है। इसके एक कॉम्प्लेक्स पर दो दिन पहले ड्रोन अटैक हुआ था, जिसके बाद कंपनी ने सल्फर, अमोनिया और यूरिया का प्रॉडक्शन रोक दिया है। ईरान और सऊदी अरब की सप्लाई भी प्रभावित हुई है।

गैस में कमी- फर्टिलाइजर मार्केट शुरू से बेहद संवेदनशील रहा है। चीन जैसे मुल्क अपनी जरूरत को देखते हुए ग्लोबल सप्लाई को प्रभावित करते हैं। नैचुरल गैस भी बड़ा फैक्टर है, जिसकी जरूरत फर्टिलाइजर प्रॉडक्शन में पड़ती है और जिसमें कमी आई है।

फसल पर असर। भारत ने पिछले साल अप्रैल से नवंबर के बीच रेकॉर्ड 70 लाख टन यूरिया आयात किया था। देश अपनी जरूरत का करीब 40 प्रतिशत फर्टिलाइजर पश्चिम एशिया से मंगाता है, यानी उसके लिए स्थिति ज्यादा गंभीर है। अगर किसानों को समय से उर्वरक नहीं मिले, तो असर पहली फसल के साथ ही नजर आने लगेगा।

मोदी सरकार ने कई राज्यों में राज्यपाल पद पर फेरबदल कर दिये बड़े सियासी संकेत

तमिल नाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकर को वहां का नया राज्यपाल बनाया गया है। इससे पहले वह केरल में राज्यपाल के रूप में कार्य कर रहे थे। चुनावी माहौल को देखते हुए इस नियुक्ति को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राज्यपाल तथा उपराज्यपालों की नई नियुक्तियों की घोषणा की। इस फैसले को व्यापक प्रशासनिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। इस बदलाव के तहत पश्चिम बंगाल, तमिल नाडु, महाराष्ट्र, तेलंगाना, नागालैंड, बिहार, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और लद्दाख सहित कई स्थानों पर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।सबसे प्रमुख बदलाव तमिल नाडु के राज्यपाल आरएन रवि के स्थानांतरण के रूप में सामने आया है। उन्हें अब पश्चिम बंगाल का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

(नीरज कुमार दुबे)

वह सीवी आनंद बोस का स्थान लेंगे, जिन्होंने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बोस पिछले साढ़े तीन वर्ष से पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे और उन्होंने दिल्ली में राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंपा।तमिल नाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकर को वहां का नया राज्यपाल बनाया गया है। इससे पहले वह केरल में राज्यपाल के रूप में कार्य कर रहे थे। चुनावी माहौल को देखते हुए इस नियुक्ति को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।दिल्ली और लद्दाख में भी अहम बदलाव हुए हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को अब लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरणजीत सिंह संधू को दिल्ली का नया उपराज्यपाल बनाया गया है। संधू लंबे समय तक कूटनीतिक सेवा में रहे हैं और विदेश नीति से जुड़े महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं।तेलंगाना और महाराष्ट्र में भी राज्यपाल बदले गए हैं। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को अब तेलंगाना का राज्यपाल बनाया गया है। वहीं तेलंगाना के राज्यपाल रहे जिष्णु देव वर्मा को महाराष्ट्र का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। नागालैंड के नए राज्यपाल के रूप में बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता नंद किशोर यादव को जिम्मेदारी दी गई है। बिहार में भी नई नियुक्ति की गई है। सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सयद अता हसनैन को बिहार का राज्यपाल बनाया गया है। सेना में लंबे अनुभव वाले हसनैन सुरक्षा और रणनीति के मामलों के विशेषज्ञ माने जाते हैं। उन्होंने आरिफ मोहम्मद खान की जगह ली है।इस फेरबदल में हिमाचल प्रदेश के लिए भी नई नियुक्ति की गई है। लद्दाख के उपराज्यपाल रहे कविंदर गुप्ता को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया है। कविंदर गुप्ता ने गुरुवार को लद्दाख के उपराज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल हालांकि काफी चर्चा में रहा। हम आपको याद दिला दें कि कविंदर गुप्ता को जुलाई 2025 में लद्दाख का उपराज्यपाल बनाया गया था। उनके कार्यकाल के दौरान 24

सितंबर 2025 को लेह शहर में हिंसक घटना हुई थी। उस दिन क्षेत्र को संवैधानिक सुरक्षा देने की मांग को लेकर चल रहा प्रदर्शन हिंसक हो गया था। हालात बिगड़ने पर पुलिस की गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें करगिल युद्ध का एक पूर्व सैनिक भी शामिल था। इस घटना ने देश भर में व्यापक चर्चा को जन्म दिया था।तमिल नाडु में आर एन रवि और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की सरकार के बीच संबंध भी काफी तनावपूर्ण रहे। सत्तारुढ़ डीएमके ने कई बार आरोप लगाया कि राज्यपाल निर्वाचित सरकार के समानांतर राजनीतिक भूमिका निभा रहे हैं। राज्यपाल रवि ने कई विधेयकों को मंजूरी देने में देर की थी। इसके बाद अप्रैल 2025 में उच्चतम न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा और दस विधेयकों को प्रभावी रूप से स्वीकृत मान लिया गया।राज्यपाल रवि कई बार विधानसभा में सरकार के तैयार भाषण को पढ़े बिना ही बाहर चले गए या फिर अपने विचारों के अनुसार भाषण में बदलाव किया। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि निर्णय उन पर होता तो वे नीट से छूट देने वाले विधेयक को कभी मंजूरी नहीं देते। इन घटनाओं के कारण राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच लगातार टकराव की स्थिति बनी रही।आरएन रवि का प्रशासनिक और सुरक्षा क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। वह भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे हैं और खुफिया ब्यूरो में भी महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। वर्ष 2014 से 2021 के बीच वे नागा शांति वार्ता के लिए केंद्र सरकार के वार्ताकार भी रहे थे। उधर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस बदलाव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फोन कर आरएन रवि की नियुक्ति की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस के अचानक इस्तीफे की खबर से वे चकित और चिंतित हैं।ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि राज्य सरकार से इस बारे में पहले कोई परामर्श नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यह स्थापित परंपरा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कुछ राजनीतिक हितों के कारण यह कदम उठाया गया हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो यह संविधान की भावना और देश की संघीय संरचना के लिए चिंताजनक स्थिति होगी। दो वर्ष पूरे करने वाली है। ऐसे में माना जा रहा है कि महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों और बदलावों का दौर शुरू हो चुका है। देखना होगा कि आने वाले समय में मोदी मंत्रिमंडल में क्या फेरबदल होते हैं या अन्य महत्वपूर्ण पदों पर क्या बदलाव देखने को मिलते हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बिलाईगढ़ के बोड़ा, धनसीर क्षेत्र का किया सघन दौरा,परखा जल जीवन मिशन, पीएम आवास और स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत

नल-जल योजना से ग्रामीणों को पानी नहीं मिलने पर कलेक्टर हुए सख्त, जनपद सीईओ और ठेकेदार को दिए तत्काल सुधार के निर्देश

कम गहराई में पाइप के बार-बार फटने की शिकायत पर ठेकेदार को नोटिस

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

12 मार्च कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने बिलाईगढ़ विकासखंड के वनांचल क्षेत्र के ग्राम पंचायत बोड़ा और धनसीर क्षेत्र का बुधवार को अपरान्ह से शाम तक सघन दौरा कर विभिन्न शासकीय योजनाओं और सुविधाओं की जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास, स्वास्थ्य सेवाओं और निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति की जानकारी सीधे ग्रामीणों से ली। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने ग्राम पंचायत बोड़ा में नल-जल योजना की जानकारी लेने के लिए स्वयं ग्राउंड पर पहुंचकर ग्रामीण महिलाओं से चर्चा की। ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि पिछले एक महीने से नल से पानी नहीं आ रहा है, जबकि पहले नियमित रूप से पानी मिल रहा था। इस पर कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ को तत्काल पानी चालू करवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने यह भी बताया कि गांव का नल-जल योजना के तहत सर्टिफिकेशन हो चुका है, इसलिए समस्या का तुरंत समाधान किया जाए। साथ ही हैंडपंप मैकेनिक को भी सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही कुलाराम सिदार से सीधे चर्चा कर निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली।हितग्राही ने बताया कि उन्हें दो किश्त की राशि मिल चुका है और चौखट लेवल तक निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। कलेक्टर ने कहा कि योजनाओं की वास्तविक स्थिति जानने के लिए वे स्वयं वनांचल क्षेत्र में पहुंचकर हितग्राहियों से सीधी बातचीत कर रहे हैं। ग्राम पंचायत धनसीर के स्कूल परिसर में डीएमएफमद से 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित सांस्कृतिक शेड का भी कलेक्टर ने निरीक्षण किया और निर्माण की गुणवत्ता की जानकारी ली।धनसीर में जल जीवन मिशन के तहत 425 घरों में कनेक्शन दिए जाने की जानकारी सरपंच ने दी, लेकिन सभी घरों तक पानी नहीं पहुंचने की बात सामने आई। सरपंच ने बताया कि पाइपलाइन फटने के कारण समस्या हो रही है। कलेक्टर स्वयं ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे और पाइपलाइन की स्थिति देखी। पीएचई विभाग ने बताया कि पाइप कम गहराई में डालने के कारण बार-बार फट रहा है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि यहां पानी के स्रोत की कोई समस्या नहीं है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धनसीर का औचक निरीक्षण

कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धनसीर का भी औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्टाफ से परिचय लिया और नेत्र परीक्षण कक्ष, चिकित्सक कक्ष, लैब और आयुष्मान कार्ड की स्थिति की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि यहां 46 प्रकार के लैब टेस्ट किए जाते हैं। साथ ही ओपीडी और आईपीडी की स्थिति तथा प्रसव कक्ष की भी जानकारी ली गई। अस्पताल में महीने में 10 से अधिक डिलीवरी होने की जानकारी दी गई, लेकिन निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं होने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान अस्पताल भवन में बरसात के समय सीपेज होने की समस्या सामने आई, जिसकी जानकारी डॉ. योगेश कुमार बरिहा ने दी। ग्रामीणों ने यह भी शिकायत की कि डॉक्टर कई बार उपस्थित नहीं रहते और कई दवाइयां बाहर से खरीदनी पड़ती हैं। इस पर कलेक्टर ने आपात स्थिति में जीवन दीप समिति के माध्यम से दवाइयां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने भवन की वॉटरप्रूफिंग, मरम्मत और जर्जर हिस्सों को रिपेयर करने के निर्देश दिए। पुराने जर्जर भवन को डिसमेंटल करने के लिए भी कहा गया।

मछली बाजार को अन्य स्थान पर शिफ्ट करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि गुरुवार को अस्पताल के सामने बाजार और पास में मछली बाजार लगता है, जिससे अस्पताल परिसर में असुविधा होती है। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम को मछली बाजार को अन्य स्थान पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, जिसमें पानी की समस्या सबसे ज्यादा सामने आई। इस पर उन्होंने पीएचई विभाग को विस्तृत जांच कर समाधान करने के निर्देश दिए।

शासकीय बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन, विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के शासकीय बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय बेमेतरा में कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों के बीच विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने-अपने विज्ञान मॉडल प्रस्तुत कर रचनात्मकता, नवाचार और वैज्ञानिक सोच का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में निखिल सेन और खेमू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं सुजल और तुषार ने द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि मोहित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मॉडलों की शिक्षकों ने सराहना की और उनकी वैज्ञानिक समझ की प्रशंसा की। यह कार्यक्रम व्यवसायिक शिक्षिका प्रीति वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए ऐसे शैक्षणिक और रचनात्मक आयोजनों में निरंतर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य मनमोहन अग्रवाल सहित शिक्षक टी. डी. जांगड़े, सी. आर. ठाकुर, सी. पी. बंजारे, श्वेता धीवर, गीतेश देवांगन, राजेंद्र साहू, नंदलाल रात्रे, सुनील बघेल, तेमेश्वर गजेंद्र, नागेंद्र कौशल तथा संस्था के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

शिक्षा की ओर बढ़ते कदम भरत मटियारा और कलेक्टर की सार्थक पहल, मुड़धोवा स्कूल को जल्द मिलेंगे नए शिक्षक

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /-कांकेर 12 मार्च 2026 शिक्षा के स्तर को सुधारने और ग्रामीण अंचलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि अब सक्रिय हो गए हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) भरत मटियारा ने ग्राम मुड़धोवा के ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन का दरवाजा खटखटाया। विकासखंड चारामा के अंतर्गत आने वाले ग्राम मुड़धोवा के विद्यालय में लंबे समय से शिक्षकों के रिक्त पदों के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। इस समस्या को लेकर ग्राम के प्रतिनिधिमंडल और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भरत मटियारा से संपर्क किया था। ग्रामीणों की पीड़ा को समझते हुए मटियारा तुरंत एक्शन में आए और प्रतिनिधिमंडल को साथ लेकर कांकेर कलेक्टर निलेश महादेव क्षीरसागर से मिलने कलेक्ट्रेट पहुंचे। मुलाकात के दौरान मटियारा ने कलेक्टर को स्कूल की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया और जोर दिया कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो, इसके लिए तुरंत शिक्षकों की नियुक्ति की जाए। कलेक्टर निलेश महादेव क्षीरसागर ने विषय को गंभीरता से सुना और जल्द से जल्द स्कूल में शिक्षकों की व्यवस्था करने का ठोस आश्वासन दिया।प्रशासन के सकारात्मक रुख को देखते हुए भरत मटियारा और ग्रामवासियों ने कलेक्टर महोदय का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्षेत्र के ग्रामीण प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिन्होंने आशा व्यक्त की है कि इस पहल से स्कूल में शिक्षा का स्तर फिर से पटरी पर लौट आएगा।

विश्व ग्लाकोमा सप्ताह दिनांक 08 से 14 मार्च तक मनाया जा रहा है

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा द्वारा राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर एवं जिला नोडल अधिकारी (अंधत्व) डॉ. बी.एल. राज के मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 08 से 14 मार्च 2026 तक 'विश्व ग्लाकोमा सप्ताह' आम जनता के बीच ग्लूकोमा की शीघ्र पहचान, समय पर निदान और प्रबंधन के बारे मे जागरूकता बढ़ाने के लिये मनाया जा रहा है, जिसका थीम ''ग्लूकोमा मुक्त विश्व के लिए एकजुट होना'' है। डॉ. अमृत लाल रोहलेडर ने ग्लाकोमा के संबंध में विस्तार से चर्चा की ग्लाकोमा (कॉचबिंद) आँख के अंदर एक ऐसी स्थिति है, जिसमें आँखों का तनाव धीरे-धीरे बढ़ता है और ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुँचाता है।

अतः परिणाम नजर धीरे-धीरे बंद हो जाती है, सही समय पर ईलाज कराने पर रोशनी जाने से रोका जा सकता है। डॉ. बी.एल. राज जिला नोडल अधिकारी (अंधत्व) ने बताया कि 40 वर्ष से अधिक उम्र के सभी व्यक्तियों को समय-समय पर अपनी आँखों की जांच करानी चाहिए। आँखों के अंदर लगातार एक्वस ह्यूमर नामक तरल प्रवाहित होते रहता है। आँखों की निश्चित आकृति बनाये रखने के लिए निश्चित मात्रा का एक्वस ह्यूमर तैयार होते रहता है और उसी मात्रा में आँखों से बाहर निकलते रहता है। यदि बाहर निकलने का रास्ता किसी वजह से बंद हो जाता है तो आँखों के अंदर तरल की मात्रा बढ़ने से आँखों का तनाव बढ़ जाता है। ये तनाव सीधा ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुँचाकर धीरे-धीरे नजर बंद कर देता है। अगर सही समय पर इलाज न किया जाये, तो व्यक्ति हमेशा के लिए अंधा हो सकता है। ग्लाकोमा की शिकायत 40 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति को, अपने परिवार में किसी को होने से, चश्में का नंबर जल्दी-जल्दी बदलना, बी.पी. या डायबिटीक के मरीज को हो सकती है। यदि आपको आँखों से बल्ब के चारों ओर रंगीन गोले नजर आए, आँखों में दर्द महसूस हो, रोशनी कम लगे तो यह काला मोतियाबिंद (ग्लाकोमा) हो सकता है। जिला चिकित्सालय बेमेतरा में पदस्थ जिला सहायक नोडल अधिकारी (अंधत्व) विद्या सागर रात्रे ने बताया कि ग्लाकोमा का सही समय पर पता चलने पर इसे बढ़ने से रोका जा सकता है। यदि ग्लाकोमा के कारण दृष्टि चली गई है तो उसे जांच कर उपचार किया जाये तो बची हुई दृष्टि को बचाया जा सकता है। आँखों की दृष्टि जाने से पहले ही मरीज को स्वयं जल्द-से-जल्द इसकी जांच करानी चाहिए तभी इस बीमारी को रोका जा सकता है। इस बीमारी से बचने के लिए एक बार नेत्र विषेशज्ञ से जांच अवश्य करानी चाहिए। यदि एक बार ग्लाकोमा हो जाए, तो हमें पूरी उम्र देखभाल करने की आवश्यकता पड़ती है।

कलेक्टर ने करंजी एवं बड़ेबेन्दरी में निर्माण कार्यों का लिया जायजा

कोण्डागांव/मूक पत्रिका

कोंडागांव, कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने गुरुवार को कोंडागांव विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम करंजी और बड़ेबेन्दरी में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम करंजी में करंजी से स्कूलपारा तक बन रही 2.6 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण कार्य का गहन निरीक्षण कर गुणवत्ता का अवलोकन किया। साथ ही करंजी में निर्माणाधीन हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन का भी निरीक्षण किया। इसके पश्चात कलेक्टर ने ग्राम बड़ेबेन्दरी में शंकर नगर तक बन रही 3.65 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सड़क एवं भवन निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता ए.आर. मरकाम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कोयलंगा स्कूल में वार्षिकोत्सव संपन्न, छात्राओं ने दी शानदार प्रस्तुती, विशेषज्ञ वार्ता का भी हुआ आयोजन

रायगढ़/मूक पत्रिका

सुदूर वनांचल ओडिसा सीमा से लगे ग्राम कोयलंगा में संचालित पीएमश्री शासकीय प्राथमिक विद्यालय में 10 मार्च को वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस दौरान कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्या की देवी सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, धूपदीप प्रज्वलित कर किया गया। साथ ही कार्यक्रम में स्कूली छात्रों ने छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति से संबंधित सुवा नृत्य, पंडवानी, कर्मा नृत्य, लोकगीत आदि की मनमोहक प्रस्तुती दी। स्कूल के प्रभारी प्राचार्य शबर सर ने अपने उद्बोधन में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बारे में वहीं सीआरसी रोहित सिदार ने अपने अनुभवनों को बच्चों के साथ साझा किया। इस कार्यक्रम के दौरान कृपाराम प्रधान और तेजराम साहू संयुक्त रूप से मंच संचालन किया।

इसी क्रम में कल 11 मार्च को विषय विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन हुआ जिसमें रायगढ़ महिला थाना से एएसआई सरस्वती महापात्रे, आरक्षक श्रीमती टोप्पो, स्वास्थ्य विभाग से अनुराधा स्वर्णकार, संयुक्त शिक्षक संघ प्रदेश महामंत्री श्रीमती तेरेसा केरकेट्टा ने बच्चों को ज्ञानवर्धक जानकारी दी।

कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक अंजलुस एक्का, सतीश मिंज, नीलम किण्डो, माध्यमिक शाला से विजय नन्दें, सोनिया पटेल ने भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अलावा राजेश्वर निषाद और गणेश गढतिया की भी कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना प्रमुख योगदान दिया।

होटल-ढाबों में घरेलू गैस के इस्तेमाल पर प्रशासन सख्त, अपर कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण, कॉमर्शियल सिलेंडर उपयोग के निर्देश

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में होटल और ढाबों में घरेलू गैस सिलेंडर के इस्तेमाल को लेकर प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देश पर गुरुवार को अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल ने टीम के साथ जिला मुख्यालय बीजापुर के कई होटल और ढाबों का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संचालकों को साफतौर पर कहा गया कि होटल या ढाबों में घरेलू गैस सिलेंडर का इस्तेमाल नहीं किया जाए। ऐसे प्रतिष्ठानों में केवल कॉमर्शियल गैस सिलेंडर ही उपयोग में लाए जाएं। अधिकारियों ने बताया कि व्यावसायिक जगहों पर घरेलू गैस का उपयोग नियमों के खिलाफ है और ऐसा पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने होटल और ढाबा संचालकों को गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग और नियमों का पालन करने की भी हिदायत दी। इधर, जिले में एलपीजी गैस, डीजल और पेट्रोल जैसी जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता और उनसे जुड़ी शिकायतों की निगरानी के लिए सहायक खाद्य अधिकारी उत्तम कुमार भारती को नोडल अधिकारी बनाया गया है। खाद्य विभाग ने गैस एजेंसी संचालकों को भी पर्याप्त सिलेंडर स्टॉक में रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को किसी तरह की परेशानी न हो। प्रशासन का कहना है कि आने वाले दिनों में भी इस तरह के निरीक्षण जारी रहेंगे।

जल जीवन मिशन से हर घर तक पहुँचा शुद्ध पेयजल

राज्यपाल द्वारा गोद लिया गया ग्राम टेमरी बना आदर्श विकास का मॉडल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

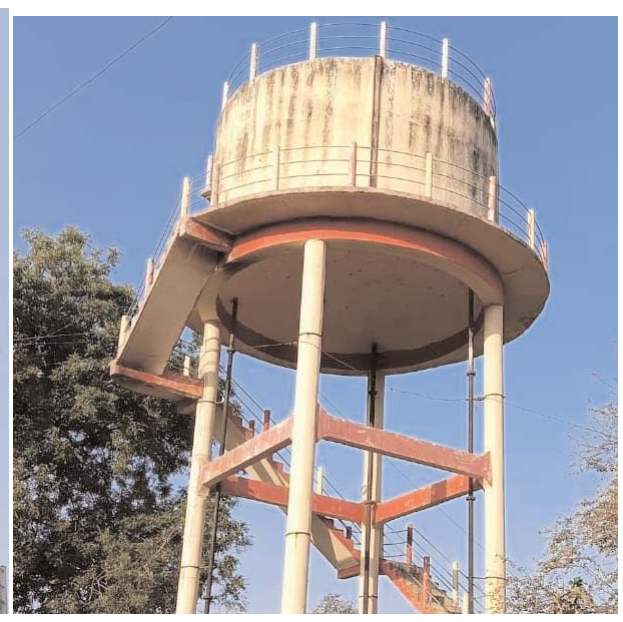

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा गोद लिए गए विकासखण्ड नवागढ़ के ग्राम टेमरी में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण विकास की नई तस्वीर उभरकर सामने आ रही है। लगभग 3794 की आबादी वाले इस ग्राम में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं ग्रामीण अधोसंरचना के विकास के लिए जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप ग्राम टेमरी आज समन्वित एवं सतत ग्रामीण विकास का एक प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभर रहा है। ग्राम में पूर्व से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए हैंडपम्प एवं पावर पम्प के माध्यम से जलापूर्ति की व्यवस्था संचालित की जाती रही है। ग्रामीणों को नियमित, सुरक्षित एवं सुगम जलापूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन (हर घर जल) के अंतर्गत व्यापक स्तर पर अधोसंरचना विकास कार्य पूर्ण किए गए हैं। इस योजना के अंतर्गत ग्राम में सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार, उच्च क्षमता की ओवरहेड टंकी का निर्माण, जल वितरण प्रणाली का आधुनिकीकरण तथा प्रत्येक घर तक फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (स्नाइष्ट) प्रदान किए गए हैं। वर्तमान में ग्राम के कुल 382 घरों में नल कनेक्शन के माध्यम से नियमित एवं सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जल जीवन मिशन के तहत जल स्रोतों के संरक्षण, जल गुणवत्ता परीक्षण, पाइपलाइन के नियमित रख-रखाव, जलापूर्ति प्रणाली की निगरानी तथा ग्राम स्तर पर जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं। निर्धारित मानकों के अनुरूप स्वच्छ एवं गुणवत्तायुक्त पेयजल की उपलब्धता से ग्रामीणों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार हुआ है तथा जलजनित बीमारियों की रोकथाम में भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। स्वच्छ पेयजल की घर-घर उपलब्धता से विशेष रूप से महिलाओं और बालिकाओं को बड़ी राहत मिली है। पूर्व में दूरस्थ जल स्रोतों से पानी लाने में लगने वाले समय और श्रम की अब बचत हो रही है, जिससे वे अपने दैनिक कार्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका गतिविधियों पर अधिक ध्यान दे पा रही हैं। इससे ग्राम में सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिली है। राज्यपाल द्वारा ग्राम टेमरी को गोद लिए जाने के पश्चात यहाँ विकास कार्यों में और अधिक तेजी आई है। जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के समन्वय से ग्राम में जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पोषण अभियान, ग्रामीण अधोसंरचना विकास एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। ग्राम में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पेयजल व्यवस्था, आजीविका संवर्धन तथा सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासनिक सतर्कता, जनप्रतिनिधियों के सहयोग एवं ग्रामवासियों की सक्रिय भागीदारी से ग्राम टेमरी में समावेशी एवं सतत विकास की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की जा रही हैं। ग्राम टेमरी आज सुदृढ़ अधोसंरचना, स्वच्छ पेयजल उपलब्धता, प्रभावी प्रशासनिक पहल एवं जनभागीदारी के माध्यम से ग्रामीण विकास की एक प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभर रहा है। आने वाले समय में भी जिला प्रशासन द्वारा ग्राम के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे, ताकि ग्राम टेमरी को पूर्ण रूप से आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग गैलेक्सी S26 सीरीज़ और गैलेक्सी बड्स4 सीरीज़ भारत में उपलब्ध

नई दिल्ली: सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने अपनी नई गैलेक्सी S26 सीरीज़ और गैलेक्सी बड्स4 सीरीज़ की वैश्विक उपलब्धता की घोषणा कर दी है। सैमसंग की तीसरी पीढ़ी के एआई स्मार्टफोन्स के रूप में गैलेक्सी S26 अल्ट्रा, गैलेक्सी S26+ और गैलेक्सी S26 उपयोगकर्ताओं को अधिक सहज और स्मार्ट एआई अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिससे वे कम चरणों में अधिक काम कर सकते हैं। गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट के बाद से नई सीरीज़ को दुनियाभर में शानदार प्रतिक्रिया मिली है। शुरुआती प्री-ऑर्डर आंकड़ों में दहाई अंकों की वृद्धि दर्ज की गई है। इनमें गैलेक्सी S26 अल्ट्रा सबसे लोकप्रिय मॉडल बनकर उभरा है, जिसे वैश्विक स्तर पर 70 प्रतिशत से अधिक ग्राहकों ने चुना। गैलेक्सी S26 अल्ट्राः उन्नत तकनीक का नया अनुभव- गैलेक्सी S26 अल्ट्रा में सैमसंग की कई उन्नत तकनीकों को एक साथ शामिल किया गया है। इसमें शक्तिशाली प्रदर्शन, इंडस्ट्री-लीडिंग कैमरा सिस्टम, बेहतर गैलेक्सी एआई अनुभव और दुनिया का पहला बिल्ट-इन प्राइवेसी डिस्प्ले दिया गया है। यह प्राइवेसी डिस्प्ले डिस्प्ले तकनीक में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जो पिक्सल स्तर पर उपयोगकर्ता की गोपनीयता की सुरक्षा करता है। हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का संयोजन इस तरह तैयार किया गया है कि रोजमर्रा के उपयोग में स्क्रीन की गुणवत्ता से समझौता किए बिना प्राइवेसी सुरक्षित रहे।

पोको इंडिया ने लॉन्च किया पोको C85× 5G: यूजर्स को मिलेगा दमदार परफॉर्मेंस, लंबे समय तक चलने वाली बैटरी और शानदार डिस्प्ले

पोको इंडिया ने आज पोको C85×5G स्मार्टफोन लॉन्च करने की घोषणा की। यह स्मार्टफोन रोज़मर्रा के यूजर्स के लिए भरोसेमंद परफॉर्मेंस, बड़ा शानदार डिस्प्ले और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी लाइफ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। छात्रों, पहली बार स्मार्टफोन खरीदने वालों और रोज़ाना भरोसेमंद परफॉर्मेंस चाहने वाले यूज़र्स की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया यह डिवाइस कुशल हार्डवेयर, व्यावहारिक फीचर्स और लंबे समय तक सॉफ्टवेयर सपोर्ट के साथ आता है।

रोज़मर्रा के उपयोग के लिए भरोसेमंद परफॉर्मेंस- पोको C85×5G में ऑक्टा-कोर प्रोसेसर दिया गया है, जो 6nm तकनीक पर बना है और बेहतर परफॉर्मेंस के साथ बैटरी की बचत भी करता है। इसमें 2.2GH5 तक की स्पीड वाले A78 परफॉर्मेंस कोर और Mali-G57 GPU है, जिससे ब्राउज़िंग, सोशल मीडिया, वीडियो देखना और हल्की-फुल्की गेमिंग आसानी से हो जाती है। यह स्मार्टफोन 4GB + 64GB और 4GB + 128GB वेरिएंट में उपलब्ध है, जिसमें LPDDR4X रैम और UFS 2.2 स्टोरेज दिया गया है। इससे ऐप्स तेज़ी से लोड होते हैं और मल्टीटास्किंग भी आसानी से होती है। यूज़र्स स्टोरेज को 2TB तक बढ़ा भी सकते हैं, जिससे फेटो, वीडियो, ऐप्स और फाइलों के लिए पर्याप्त जगह मिलती है।

LEVI'S® के BEHIND EVERY ORIGINAL अभियान की आलिया भट्ट के साथ नई शुरुआत

मुंबई— Levi's® ब्रांड अपने 2026 के वैश्विक अभियान Behind Every Original को भारत में लेकर आया है, जिसमें ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में नज़र आ रही हैं। पिछले 150 से अधिक वर्षों से, स्द्ध1द्ब'ह्य0 उन लोगों की पहली पसंद रहा है जो संस्कृति को नई दिशा देते रहे हैं। संगीत और खेल से लेकर फैशन और कला तक, Levi's® जींस हर उस महत्वपूर्ण मोड़ की गवाह रही है जहाँ बदलाव की शुरुआत हुई। इसे वे लोग पहनते हैं जो न केवल प्रगति की राह पर चलते हैं, बल्कि आने वाले कल की दिशा भी तय करते हैं। Behind Every Original अभियान इसी महान विरासत को आगे बढ़ाता है। यह वैश्विक स्तर पर मौलिकता के पीछे की गहरी सोच का जश्न मनाता है–वह जिज्ञासा, अटूट विश्वास और दुनिया को एक अलग नज़रिये से देखने का साहस, जो असल प्रगति को जन्म देते हैं। इस अभियान का मुख्य केंद्र अभिनेत्री आलिया भट्ट हैं, जो एक ऐसी कलाकार और वैश्विक सांस्कृतिक आइकन हैं जिनकी यात्रा निरंतर विकास, आत्मविश्वास और अद्वितीय व्यक्तित्व का मेल है। उनका यह सफ़र आज की उस पीढ़ी की आवाज़ है जो बनावटी पूर्णता (Perfection) के बजाय असलियत और प्रामाणिकता को चुनती है, और यही खूबी उन्हें की इस वैश्विक कहानी का एक सच्चा प्रतिनिधि बनाती है।

अपनी प्रेरणा साझा करते हुए आलिया कहती हैं, ÷मैं हमेशा से ही जिज्ञासु रही हूँ और हर चीज़ के पीछे 'क्या' से ज़्यादा 'क्यों' को समझना चाहती हूँ। मेरे लिए कभी भी दूसरों की कसौटियों पर खरा उतरना या वही करना मायने नहीं रखता था जिसकी मुझसे उम्मीद की जाती है। मैं किसी के कहने पर 'कोई और' बनने से बेहतर 'खुद होना' पसंद करती हूँ। बदलाव लाने के लिए आप किसी की अनुमति का इंतज़ार नहीं करते, बल्कि अपने नियम खुद बनाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय में महिलाओं के लिए प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन.........

बिलासपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर स्थित न्यू ऑडिटोरियम में महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला रेलकर्मी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, विशिष्ट अतिथि श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, अध्यक्षा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो) उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथि वक्ता श्री उज्ज्वल पाटनी ने अपने प्रेरणादायी एवं मोटिवेशनल संबोधन से महिलाओं को आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और नेतृत्व क्षमता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 27 महिला रेलकर्मियों को मुख्य अतिथि श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, विशिष्ट अतिथि श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, अध्यक्षा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो) के द्वारा सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में 300 से अधिक महिला रेलकर्मियों की उपस्थिती रही । महिला दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस वर्ष महिला दिवस की थीम Rights, Justice, Action – For All Women and Girls है, जो महिलाओं और बालिकाओं के अधिकार, न्याय तथा उनके सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम उठाने का आह्वान करती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला को शिक्षा, अवसर, सम्मानजनक कार्य वातावरण तथा सुरक्षित माहौल प्राप्त होना चाहिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर लगभग 42 प्रतिशत कार्यबल में महिलाएँ शामिल हैं, जबकि नेतृत्व के उच्च पदों पर उनकी भागीदारी अभी भी

लगभग 31 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि भारत में भी पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं की कार्यबल भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और वर्ष 2017–18 में लगभग 23 प्रतिशत से बढ़कर 2023–24 में लगभग 42 प्रतिशत तक पहुँच गई है, जो सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। महाप्रबंधक ने कहा कि भारतीय रेल जैसे विशाल सार्वजनिक संगठन में भी महिलाओं की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। आज महिलाएँ लोको पायलट, गार्ड, इंजीनियर, टीटीई, ट्रैक मेंटेनर, आरपीएफ तथा स्टेशन प्रबंधन जैसे विभिन्न दायित्वों का सफ्लतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं और भारतीय रेल की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को भी अपनी महिला अधिकारियों और कर्मचारियों पर गर्व है, जो विभिन्न क्षेत्रों में समर्पण और दक्षता के साथ कार्य कर रही हैं। साथ ही खेल के क्षेत्र में भी महिला खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रेलवे का नाम रोशन किया है। महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शिविर, कैंसर जागरूकता कार्यक्रम तथा बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही महिला यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए स्टेशनों पर अक्षिता सेफबबल तथा ट्रेनों में यात्रा कर रही महिलाओं की सहायता के लिए मेरी सहेली अभियान जैसे महत्वपूर्ण प्रयास भी किए जा रहे हैं।

बिलासपुर रेलवे में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला कर्मचारियों हेतु स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन......

बिलासपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला कर्मचारियों के स्वास्थ्य को विशेष महत्व देते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के चिकित्सा विभाग द्वारा एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का संचालन सेंट्रल हॉस्पिटल, बिलासपुर के चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की टीम द्वारा सफ्लतापूर्वक किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में महिला कर्मचारियों ने पंजीकरण कराकर स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाया। इस दौरान प्रतिभागियों की उच्च रक्तचाप, रैंडम ब्लड शुगर, बीएमआई, बोन डेंसिटोमेट्री, नेत्र परीक्षण तथा स्त्री रोग संबंधी जांच की गई। चिकित्सकों द्वारा सभी प्रतिभागियों को संतुलित आहार एवं पोषण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई तथा हड्डियों एवं समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित व्यायाम करने की सलाह भी दी गई। स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न प्रश्नों के समाधान भी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किए गए तथा आवश्यकता के अनुसार आगे की जांच कराने की सलाह दी गई। इसके अतिरिक्त शिविर के दौरान प्रतिभागियों का पैप स्मीयर परीक्षण भी किया गया, जिससे गर्भाशय ग्रीवा से संबंधित बीमारियों की समय पर पहचान संभव हो सके। यह स्वास्थ्य जांच शिविर महिला कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण, जागरूकता तथा उनके समग्र कल्याण के प्रति दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के चिकित्सा विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बिहान योजना.......गीता यादव की बदली जिंदगी,बनीं लखपति दीदी

बिलासपुर। जिले के ग्राम साल्हेखापा निवासी श्रीमती गीता यादव ने मेहनत, लगन और सरकारी योजनाओं के सहयोग से आर्थिक आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। कभी मुश्किल और परेशानियों भरे जीवन में सीमित आय में परिवार का गुजारा करने वाली गीता यादव आज 'लखपति दीदी' बनकर ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। गीता ने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया है। गीता यादव के परिवार की मुख्य आजीविका पहले कृषि कार्य पर निर्भर थी। पर्याप्त भूमि होने के बावजूद संसाधनों की कमी के कारण परिवार की कुल वार्षिक आय केवल 88,100 रुपये थी, जिससे परिवार की जरूरतें पूरी करना कठिन था।साल 2021 में उन्होंने बिहान योजना के माध्यम से स्व-सहायता समूह से जुड़कर बैंक ऋण, सीआईएफ और आरएफ की सहायता प्राप्त की। इस सहयोग से उन्होंने कृषि कार्य के साथ-साथ मुर्गी पालन, मछली पालन और भैंस पालन जैसे नए व्यवसाय शुरू किए। इन प्रयासों से उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वर्तमान में उन्हें कृषि से 88,100 रुपये, मुर्गी पालन से 87,000 रुपये, मछली पालन से 70,000 रुपये और भैंस पालन से 60,000 रुपये की आय प्राप्त हो रही है। इस प्रकार उनके परिवार की कुल वार्षिक आय बढ़कर लगभग 3,05,100 रुपये हो गई है। गीता कहती है सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से उन जैसी हजारों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। गीता की सफ्लता ये संदेश देती है कि यदि महिलाओं को सही मार्गदर्शन और योजनाओं का उचित लाभ मिले तो वे आत्मनिर्भर बन आर्थिक सशक्तिकरण की ओर बढ़ सकती हैं।

चम्मच को भी चोरों ने नहीं छोड़ा,वारदात में शामिल सभी शातिर पकड़ाए

बिलासपुर। आर्य समाज धर्मशाला में चोरी करने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से ताम्बे का बर्तन, पूजा सामाग्री सहित घरेलू सामान बरामद किया गया है। आरोपियों में तीन नाबालिग हैं। सरकंडा पुलिस ने बताया कि डीएलएस कॉलेज के पास आर्य धर्मशाला न्यास दयानंद सेवाधाम सरकंडा निवासी वेद आर्य पिता योगेन्द्र कुमार (25) ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि होली त्यौहार के कारण धर्मशाला में ताला लगाकर अपने गृह ग्राम सक्ती गए थे। 7 मार्च को सुदर्शन जायसवाल ने फोन कर बताया कि धर्मशाला का ताला टूटा हुआ है। तब पीड़ित वेद धर्मशाला आकर देखा तो धर्मशाला के स्टोर रूम में रखे ताम्बे का बर्तन प्लेट, ग्लास चम्मच, लोटा, ताम्बे की पूजा सामाग्री, साउंड बॉक्स, कपड़ा, सफाई का सामान करीब 40 हजार रुपए चोरी हो गई थी। किसी अज्ञात चोर ने ताला तोडक़र सामान को पार कर दिया था। इस मामले में पुलिस अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने संदेही निखिल साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ किया। तब उसने अपने तीन नाबालिक साथियों के साथ मिलकर चोरी करने की बात स्वीकार की।

डीएसआर से पानी की खपत में 35 प्रतिशत तक कमी और खेती की लागत में 14,000 प्रति हेक्टेयर तक बचत संभव; एफएसआईआई ने इसे व्यापक रूप से अपनाने का आह्वान किया

नई दिल्ली: भारत में जल संसाधनों पर बढ़ते दबाव, श्रम लागत में वृद्धि और कृषि के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने की आवश्यकता के बीच, फेडरेशन ऑफसीड इंडस्ट्री ऑफइंडिया (FSII) ने मंगलवार को डायरेक्ट सीडेड राइस (DSR) पर आयोजित एक सम्मेलन में अधिक संसाधन-कुशल खेती पद्धतियों की ओर बढ़ने का आह्वान किया। विशेषज्ञों ने कहा कि ष्ठस्क्र एक जलवायु-अनुकूल और संसाधन-कुशल विकल्प के रूप में उभर रहा है, जो प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय में सुधार करने की क्षमता रखता है।

FSII ने ÷सस्टेनेबल और लाभकारी धान उत्पादन के लिए डायरेक्ट सीडेड राइस (ष्ठस्क्र)÷ विषय पर अपने सम्मेलन का दूसरा संस्करण 10 मार्च 2026 को नई दिल्ली के ह्रस्ह्र कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया। इस सम्मेलन में नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और कृषि विशेषज्ञों ने भाग लिया। चर्चा का उद्देश्य भारत के धान उत्पादक क्षेत्रों में ष्ठस्क्र को व्यापक स्तर पर अपनाने के अवसरों और चुनौतियों पर विचार करना और इसके प्रसार को तेज करने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप तैयार करना था।

भारत में धान की खेती पर अत्यधिक भूजल दोहन, विशेषकर उत्तर-पश्चिमी धान क्षेत्र में, बढ़ता दबाव डाल रहा है- फेडरेशन ऑफ सीड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (FSII) के अध्यक्ष और सवाना सीड्स के सीईओ एवं एमडी अजय राणा ने कहा, ÷पंजाब में भूजल दोहन वार्षिक पुनर्भरण का लगभग 156त्न तक पहुँच चुका है, जबकि हरियाणा में यह लगभग 137त्न है, जो जलभंडारों पर गंभीर दबाव को दर्शाता है। एक किलोग्राम चावल उत्पादन के लिए लगभग 3,000 से 5,000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है, जिससे धान सबसे अधिक पानी-खपत वाली फसलों में शामिल है। साथ ही, भारत में मीठे पानी की कुल निकासी का लगभग 80त्न कृषि क्षेत्र में होता है। ऐसे में अधिक जल-कुशल धान उत्पादन प्रणालियों की ओर संक्रमण अत्यंत आवश्यक है। राणा ने कहा कि बीज उद्योग अनुसंधान संस्थानों और किसानों के साथ मिलकर तकनीकी नवाचारों के माध्यम से ष्ठस्क्र को अपनाने में सहायता कर रहा है उन्होंने बताया, DSR में खरपतवार प्रबंधन एक बड़ी चुनौती है। इसे दूर करने के लिए बीज उद्योग ने सार्वजनिक अनुसंधान प्रणाली के साथ मिलकर हर्बिसाइड-सहिष्णु (Herbicide Tolerant) तकनीक विकसित की है, जिससे किसान खरपतवारों को अधिक प्रभावी ढंग से नियंत्रित कर सकते हैं। पिछले खरीफ मौसम में लगभग एक लाख एकड़ क्षेत्र में ड्रिल आधारित बुवाई के साथ हर्बिसाइड-सहिष्णु धान की खेती की गई, जिसमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक अपनाने की रिपोर्ट मिली।

उन्होंने यह भी बताया कि अंकुरण के दौरान नेमाटोड संक्रमण जैसी उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए भी नवाचार किए जा रहे हैं।

मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन की अध्यक्षता में मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न हुआ

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के मंडल सभाकक्ष में आज दिनांक 11 मार्च 2026 को प्रात: 11:30 बजे मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति (ष्ठ्रक्रष्ट) की बैठक मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री के. श्रीनिवास, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के शाखाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा समिति के सदस्य श्री अखिलेश सोनथालिया (बिलासपुर), श्री जी. रविकुमार (बिलासपुर), श्री अजय कुमार भट्ट (बिलासपुर), श्री अखिल अग्रवाल (कोरबा), श्री अनुज सेन (उमरिया), श्री राकेश गुप्ता (शहडोल), श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता(उमरिया), श्री प्रांजल संजय तामस्कर (रायगढ़) तथा श्री विकास कुमार अग्रवाल (बेलपहाड़) के प्रतिनिधि भी

बैठक में शामिल हुए। बैठक की शुरुआत वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के स्वागत अभिभाषण एवं सदस्यों के परिचय के साथ हुई। इसके पश्चात दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल की उपलब्धियों, यात्री सुविधाओं, विभिन्न विकासात्मक कार्यों, अमृत भारत स्टेशन योजना, रेल सेवाओं के डिजिटलीकरण, स्वच्छता, सुरक्षा, खानपान सेवाओं तथा यात्री सुविधाओं के विस्तार से संबंधित विस्तृत प्रस्तुतीकरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बैठक के दौरान समिति के सदस्यों द्वारा पूर्व में भेजे गए एजेंडा बिंदुओं एवं सुझावों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। सम्माननीय सदस्यों ने मंडल में चल रहे विकास कार्यों तथा उपलब्ध यात्री सुविधाओं की सराहना की। साथ ही अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़ी स्थानीय समस्याओं और जन अपेक्षाओं से अवगत कराते हुए विभिन्न स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के विस्तार से संबंधित सुझाव भी प्रस्तुत किए। समिति के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों पर मंडल प्रशासन ने सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आवश्यकतानुसार समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में विभिन्न स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के विस्तार, ट्रेनों के ठहराव, यात्री अनुकूल सुविधाओं की वृद्धि सहित रेलवे विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने समिति के सदस्यों के सहयोग एवं सुझावों के लिए धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति यात्रियों की अपेक्षाओं, सुझावों एवं आवश्यकताओं को रेलवे प्रशासन तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि समिति द्वारा प्रस्तुत किए गए महत्वपूर्ण सुझावों पर नियमानुसार प्राथमिकता के साथ कार्य करने का प्रयास किया जाएगा, जिससे भारतीय रेल की सेवाएं और अधिक सुदृढ़ एवं जनहितैषी बन सकें। बैठक सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में विचार-विमर्श, सहयोग और समाधान की भावना के साथ सफ्लतापूर्वक संपन्न हुई।

बेटे के बर्थडे के दिन महिला ने की गंदा काम, युवक को फंसाया ब्लैकमेलिंग पर उतर आई अब

बिलासपुर। महिला ने बर्थडे पार्टी के बहाने युवक को घर बुलाया। इसके बाद अपनी परिचित की एक अन्य महिला को कमरे में भेजकर दोनों का अश्लील वीडियो बना लिया। अब महिला वीडियो का स्क्रीनशॉट भेजकर युवक को ब्लैकमेल कर रही है और 1 लाख रुपए की डिमांड कर रही है। मामला पचपेड़ी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी महिला पीड़ित युवक के पास के ही गांव में रहती है। उसने अपने बेटे के बर्थडे पार्टी के बहाने युवक को घर बुलाया, जहां पहले से ही एक अन्य महिला मौजूद थी। कमरे में दोनों ने संबंध बनाए। इस दौरान घर पर बुलाई महिला ने दोनों का वीडियो बना लिया। बाद में युवक को स्क्रीनशॉट भेजकर पैसों की डिमांड करने लगी और नहीं देने पर सोशल मीडिया पर वायरल करने धमकी दी। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर युवक ने सोमवार को शिकायत दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कर लिया है। युवक का आरोप है कि फंसाने के लिए बर्थडे पार्टी का बहाना बनाकर पूरी योजना तैयार की गई थी। पचपेड़ी थाने के टीआई राज सिंह ने बताया कि केंवतरा आवासपारा का रहने वाला नोहर कुमार सूर्यवंशी (33) प्राइवेट जॉब करता है। शिकायत में उसने बताया कि उसकी पहचान एक महिला से है, जो पास के गांव में रहती है। 1 फरवरी को महिला के बेटे का बर्थडे था।

पहले वनडे में 8 विकेट से जीत हासिल की; नाहिद राणा ने 5 विकेट लिए

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को सिर्फ 15.1 ओवर में हराया

ढाका। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को पहले वनडे में 8 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान की टीम 114 रन पर ऑलआउट हो गई थी। बांग्लादेशी पेसर नाहिद राणा ने 5 विकेट लिए थे। जवाब में बांग्लादेश ने 115 रन का लक्ष्य सिर्फ 15.1 ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। तंजिद हसन तमीम ने नाबाद 67 रन की तेज पारी खेली।

तंजिद हसन की फिफ्टी

115 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत ज्यादा अच्छी नहीं रही और सैफ हसन 4 रन बनाकर शाहीन अफरीदी का शिकार बने। इसके बाद तंजिद हसन तमीम और नजमुल हुसैन शांतो ने दूसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी कर मैच लगभग एकतरफा कर दिया।

तंजिद हसन ने 42 गेंद में 7 चौके और 5 छक्के की मदद से नाबाद 67 रन बनाए। वहीं नजमुल हुसैन शांतो ने 33 गेंद में 27 रन बनाए। अंत में लिटन दास 3 रन बनाकर नाबाद लौटे और टीम ने 15.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

अच्छी शुरुआत के बाद बिखरी पाकिस्तान की पारी

पाकिस्तान की शुरुआत ठीक रही और पहले विकेट के लिए साहिबजादा फरहान और माज सादाकत ने 41 रन जोड़े। फरहान ने 27 और सादाकत ने 18 रन बनाए, लेकिन इसके बाद टीम लगातार विकेट गंवाती रही।

नाहिद राणा के 5 विकेट

इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम 30.4 ओवर में 114 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 7 ओवर में 24 रन देकर 5 विकेट झटके। कप्तान मेहदी हसन मिराज ने भी 10 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके अलावा तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान को एक-एक विकेट मिला।

बॉयकॉट के बाद पहला मैच खेल रही बांग्लादेश टीम

बांग्लादेश की टीम टी-20 वर्ल्ड कप के बॉयकॉट के बाद पहली बार किसी इंटरनेशनल मैच में उतरी है। टूर्नामेंट से पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और खिलाड़ियों ने सुरक्षा चिंताओं के कारण भारत यात्रा से इनकार कर दिया था।

फहीम अशरफ के 37 रन

पाकिस्तान के मध्यक्रम के बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। हुसैन तलत 4, अब्दुल समद 0 और कप्तान शाहीन अफरीदी 4 रन बनाकर आउट हो गए। आखिर में ऑलराउंडर फहीम अशरफ ने 47 गेंद में 6 चौके और एक छक्के की मदद से 37 रन बनाए, जो टीम की ओर से सबसे बड़ी पारी रही। आखिरी विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी

पाकिस्तान की टीम एक समय 82 रन पर 9 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद फहीम अशरफ और अबरार अहमद ने आखिरी विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 114 तक पहुंचाया। अबरार अहमद 10 गेंद में खाता खोले बिना नाबाद रहे।

एच.एस. प्रणॉय और किदांबी श्रीकांत आज पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की करेंगे शुरुआत

स्विस ओपन बैडमिंटन

जापान। स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में, एच.एस. प्रणॉय और किदांबी श्रीकांत आज पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की शुरुआत करेंगे। प्रणॉय का मुकाबला जापान के कोकी वातानाबे से वहीं श्रीकांत का सामना हांगकांग के जेसन गुनावन से होगा। किरण जॉर्ज का सामना सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू से जबकि आयुष शेट्टी का मुकाबला कनाडा के ब्रायन यांग से होगा। महिला एकल में, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण दुबई में हुई परेशानी के बाद टूर्नामेंट से आधिकारिक तौर पर नाम वापस ले लिया है। इसके चलते वे ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में भी भाग नहीं ले पाएंगी। अन्य महिला खिलाड़ियों में, उन्नति हुडा का मुकाबला आज रात चीनी ताइपे की चियू पिन-चियान से होगा। वहीं मालविका बंसोड कल थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगी।

ब्रीफ न्यूज

वेस्टइंडीज दौरे में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी करेंगी मोलिन्यू

सिडनी । सोफी मोलिन्यू की कप्तानी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम 19 मार्च से 2 अप्रैल तक होने वाले वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों की इस सीरीज के लिए सोफी को एलीसा हीली के संन्यास लेने के कारण कप्तान बनाया है। सोफी भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान लगी पीठ की चोट के कारण टीम से बाहर हो गयीं थीं। वहीं ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को इस सीरीज में आराम दिया गया है। उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज में अच्छे शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला था। सदरलैंड ने भारत के खिलाफ दिन-रात के मैच में शतक लगाया था और छह विकेट भी लिए थे। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने पिछले एक साल से लगातार क्रिकेट खेलने के कारण उन्हें आराम दिया गया है जिससे वह विश्वकप से पहले पूरी तरह फिट रह सकें। उन्होंने कहा, एनाबेल पिछले एक साल से लगातार खेल रही हैं। उनके ऊपर बोझ को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम दिया गया है, जिससे वह विश्वकप से पहले पूरी तरह तैयार रहें। वेस्टइंडीज दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम
डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एश्ले गार्डनर, किम गर्थ, लूसी हैमिल्टन, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, टालिया मैक्ग्रा, सोफी मोलिन्यू, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम, टालिया विल्सन।

द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स की कप्तानी करेंगे जैकब बेथेल

लंदन । टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल को द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स ने अपना कप्तान बनाया है। बेथेल को आगामी सत्र के लिए होने वाली नीलामी ही लियम लिविंगस्टोन की जगह कप्तान बनाया गया है। वहीं लिविंगस्टोन इस बार लंदन स्पिरिट से खेलते नजर आयेंगे। कप्तानी मिलने से उत्साहित बेथेल ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, बर्मिंघम फीनिक्स का कप्तान बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करने के कारण उन्हें अंदाज है कि ये जिम्मेदारी कितनी बड़ी होती है। इसमें हमें और टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेना हेाता है।
हाल बेथेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लिस्ट ए, फर्स्ट क्लास और टी20 तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में खिलाफ उन्होंने में शानदार शतक लगाकर अपनी क्षमता साबित की थी। बर्मिंघम फीनिक्स के मुख्य कोच शेन बॉन्ड ने बेथेल की कप्तानी कौशल को सराहा है। उन्होंने कहा कि बेथेल बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और कम उम्र में ही उनकी नेतृत्व सामने आई है। बॉन्ड के मुताबिक, पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करते समय हमने उनकी कप्तानी देखी है। बेथेल ने साल 2022 में वेल्श फायर के लिए द हंड्रेड में डेब्यू किया था। इसके बाद 2023 में उन्हें बर्मिंघम फीनिक्स ने टीम में शामिल किया, लेकिन उस सीजन में वह केवल एक ही मैच खेल पाये थे। साल 2024 के सत्र में उन्होंने 9 मैचों में 166 रन बनाए, जहां उनका औसत 33.20 और स्ट्राइक रेट 132.80 रहा। पिछले सत्र में उन्होंने 8 पारियों में 122 रन बनाए। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 3 विकेट लिए, हालांकि उनका इकॉनमी रेट 10 से ज्यादा रहा।वहीं फीनिक्स ने ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी को लगातार दूसरे सत्र के लिए बर्मिंघम फीनिक्स की महिला टीम का कप्तान बनाया है।

लंबे इंतजार के बाद वेस्टइंडीज टीम स्वदेश रवाना हुई

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप के बाद अब जाकर स्वदेश रवाना हुई है। इंडीज टीम को उड़ानें बंद होने के कारण 9 दिन के लंबे इंतजार के बाद अपने देश के लिए रवाना होने आ अवसर मिला। क्रिकेट वेस्टइंडीज के अनुसार इसके लिए उसने कमर्शियल फ्लाइट की व्यवस्था की थी ताकि टीम को सुरक्षित लाया जा सके। वेस्टइंडीज भी अन्य टीमों के साथ ही खाड़ी में जारी इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण भारत में फंस गई थीं।
आईसीसी द्वारा चार्टर फ्लाइट की व्यवस्था की जा रही थी पर उसमें लगातार देरी हो रही थी। ऐसे में खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्रिकेट वेस्टइंडीज ने आईसीसीसी को संदेश दिया कि चार्टर फ्लाइट की जगह पर कमर्शियल फ्लाइट से टीम की वापसी ठीक रहेगी। वेस्टइंडीज से पहले जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम भी इसी कारण भारत में फंस गई थी। एयरस्पेस बंद होने के कारण उनकी यात्रा योजना भी बदलनी पड़ी। इसके बाद जिम्बाब्वे टीम को इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा होते हुए हरारे भेजा गया।

विराट कोहली आईपीएल 2026 सीजन के लिए तैयार

जीटी कोच के साथ आइसीबी स्टार ने बल्ले से मचाया धमाल

दिल्ली। आइसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2026 के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है। उन?होंने बैटिंग सेशन का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह जोरदार तरीके से बॉल को हिट करते नजर आ रहे हैं। आईपीएल2026 का काउंटडाउन शुरू हो गया है। इस सीजन में धूम मचाने के लिए सभी प?लेयर्स ने अपनी-अपनी तैयारी तेज कर दी है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सुपरस्टार विराट कोहली भी इसके लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं। नेट्स में कोहली अपने पूरे गियर में जोरदार तरीके से बॉल को हिट कर रहे हैं और गेंद को उसकी रैंक के हिसाब से खेल रहे हैं। उन्होंने गुजरात टाइटन्स के असिस्टेंट कोच नईम अमीन के साथ यूके में ट्रेनिंग की। अमीन ने 2025 में महीनों के ब्रेक के बाद वापसी पर कोहली की मदद की थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद पहली बार विराट हाथ में बल्ला लेकर धमाल मचाते नजर आए।

बैटिंग सेशन की झलकियां शेयर कीं

आईपीएल 2026 सीजन बस कुछ ही हफ्ते दूर है, जिसे लेकर आरसीबी के इस स?टार ने यूके में ही अपनी तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक जबरदस्त बैटिंग सेशन की झलकियां शेयर कीं, जिसने तुरंत फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कोहली को इनडोर प्रैक्टिस सेशन के दौरान बॉल को क्लीन तरीके से मारते हुए देखा जा सकता है, जो एक और आईपीएल कैंपेन से पहले शार्प दिख रहे हैं।

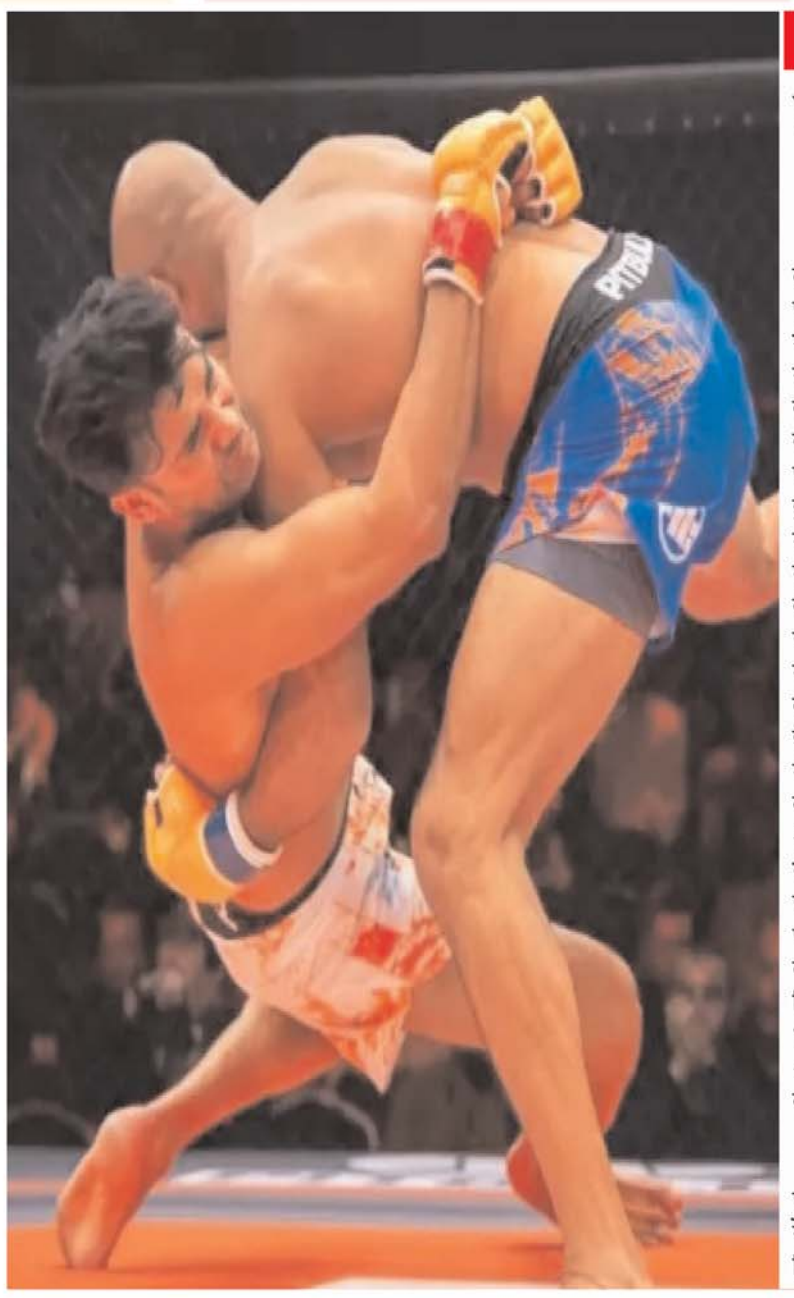

एमएमए फाइट के लिए तैयारी में जुटे संग्राम सिंह

इस बार 17 साल छोटे फ्रांसीसी फाइटर से होगा मुकाबला

दिल्ली। एमएमए फाइट को लेकर संग्राम सिंह इन दिनों युद्ध स्तर पर अपनी तैयारियों को अंजाम देने में जुटे हुए हैं। इसके लिए सात सदस्यों का सपोर्ट स्टाफ उनकी कोचिंग से लेकर फ्लेक्सेबिलिटी, वेट ट्रेनिंग, फिटनेस, योग और प्राणायाम पर बारीकी से नजर बनाए हुए है। फिट इंडिया आइकन संग्राम मुम्बई, अहमदाबाद और दिल्ली में समय-समय पर अपने सपोर्ट स्टाफ के साथ नज़र आते हैं। अलग अलग जगह अभ्यास करने पर उनके स्पेयरिंग पार्टनर बदल जाते हैं, लेकिन कोचिंग का स्टाफ वही रहता है और उनका ज़्यादातर समय मुम्बई में ही बीतता है। संग्राम का एमएमए का अगला मुक़ाबला रविवार 5 अप्रैल को अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के टाइग्रे में होगा। जहां उनकी भिड़ंत फ्रांस के युवा फाइटर मौटेऊ मोटेइरो से होगी। 24 वर्षीय मौटेऊ मोटेइरो उम्र में संग्राम सिंह से 17 साल छोटे हैं। किसी भारतीय एमएमए फाइटर का अर्जेंटीना की धरती पर फाइट करने का यह पहला मौका होगा।

पहलवान एक, कोच अनेक

कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैम्पियन रह चुके संग्राम सिंह को इन दिनों मॉडर्न रेसलिंग भूपेश कुमार, बॉक्सिंग और किक बॉक्सिंग में सूरज धर्मान, जुजत्सू में कपिल शर्मा, जिम्नास्टिक में सुहास लोहार, वेट-ट्रेनिंग में प्रदीप तोमर और कम्पलीट फिटनेस में रोनी वत्स अभ्यास करा रहे हैं। मासपेशियों में खिचाव जैसे मसलों का हल करने के लिए फीज़ियो डॉ. मनोज अत्री हैं। संग्राम सिंह पूरी तरह शाकाहारी हैं। इसके बावजूद उनके शरीर में प्रोटीन से लेकर हर पौष्टिक अव्यव भरपूर मात्रा में उपलब्ध है। संग्राम सिंह ने अपनी तैयारियों के बारे में बताया कि एमएमए में इस्तेमाल होने वाली कुश्ती, बॉक्सिंग, किक बॉक्सिंग और युयुत्सू की वह ट्रेनिंग ले रहे हैं। प्रो रेसलिंग लीग में पंजाब रॉयल्स के कोच और डायरेक्टर भूपेश कुमार संग्राम सिंह को मॉडर्न रेसलिंग के गुर सिखा रहे हैं। संग्राम सिंह ने बताया कि लम्बे समय से साथ होने की वजह से वह मेरी ताक़त और कमज़ोरियों से वाकिफ हैं और मेरे ग्रे एरियाज़ को वह मेरी ताक़त बनाने में जुटे हुए हैं।

एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप: क्वालीफायर मुकाबले में वेल्स से होगा भारत का सामना

मुंबई। एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के क्वालीफायर में, भारतीय टीम आज हैदराबाद में पूल बी के अपने अंतिम मैच में वेल्स का सामना करेगी। मैच शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा। वेल्स के खिलाफ भारतीय टीम का रिकॉर्ड शानदार है और उसने दोनों टीमों के बीच हुए मुकाबलों में 5-1 की बढ़त बना रखी है। भारत फिलहाल चार अंकों और मजबूत गोल अंतर के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। पूल से शीर्ष दो टीमें क्वालीफाई करेंगी। यदि भारतीय टीम वेल्स के खिलाफ जीतती है या ड्रॉ खेलती है, तो वह सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगी। भारतीय टीम ने 8 मार्च को उरुग्वे पर 4-0 की शानदार जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की और फिर सोमवार को स्कॉटलैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला।

22 वर्ष बाद अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा भारत

दिल्ली। भारत 22 वर्ष बाद पहली बार शीर्ष अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। दिल्ली को 2027 में एशिया कप के दूसरे चरण की मेजबानी सौंपी गई है। वर्ष 2005 में आखिरी बार दिल्ली में एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप के दौरान अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया था। विश्व तीरंदाजी एशिया के अध्यक्ष काजी राजिब उद्दीन अहमद चापोल ने कोलकाता के तीन दिवसीय दौरे के दौरान यह घोषणा की। भारतीय तीरंदाजी संघ के महासचिव वीरेंद्र सचदेवा से आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की मेजबानी पर चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया।

इटली में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलती हुई अटलांटा और बेयर्न म्यूनिख की टीमें।

आरसीबी बनाम हैदराबाद मैच से होगी सत्र की शुरुआत

आईपीएल के पहले चरण का कार्यक्रम जारी

मुंबई । टी20 विश्व कप 2026 का समापन भारत की जीत के साथ हो चुका है। अब बारी है दुनिया की लोकप्रिय लीग आईपीएल की, जिसका 19वां संस्करण 28 मार्च से शुरू होगा। आईपीएल का कार्यक्रम जारी, पहला मुकाबला आरसीबी और हैदराबाद के बीच आईपीएल के 19वें संस्करण की शुरुआत 28 मार्च से होगी। बीसीसीआई ने आज पहले चरण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। पहला मुकाबला 28 मार्च को गत विजेता आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बंगलूरू में खेला जाएगा। आगामी सत्र के लिए जमकर पसीना बहा रहे विराट कोहली आईपीएल 2026 की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 28 मार्च से टूर्नामेंट के 19वें संस्करण का आगाज होगा। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। स्टार बल्लेबाज का नेट्स में अभ्यास करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। खिताब बचाने उतरेगी आरसीबी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 2025 में पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया था।

आरसीबी की टीम इस बार खिताब का बचाव करने उतरेगी। आरसीबी के फैंस के लिए राहत की बात यह है कि टीम ग्रुप चरण में अपने पांच मुकाबले घरेलू स्टेडियम चिन्नास्वामी में ही खेलेगी। इसके लिए कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ से मंजूरी मिल चुकी है। कार्यक्रम की घोषणा में क्यों हो रही देरी पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं जिस कारण आईपीएल के कार्यक्रम की घोषणा में देरी हुई। दरअसल, जिन तीन राज्यों में आईपीएल के मुकाबले खेले जाने हैं उनके विधानसभा चुनावों की तारीखों का एलान अब तक नहीं हुआ है। इनमें अमस, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु शामिल हैं।

आईपीएल 2026-पहले चरण का कार्यक्रम

मैच	टीम 1	टीम 2	जगह	तारीख
1	RCB	SRH	बंगलूरू	28 मार्च
2	MI	KKR	मुंबई	29 मार्च
3	RR	CSK	गुवाहाटी	30 मार्च
4	PBKS	GT	न्यू चंडीगढ़	31 मार्च
5	LSG	DC	लखनऊ	1 अप्रैल
6	KKR	SRH	कोलकाता	2 अप्रैल
7	CSK	PBKS	चेन्नई	3 अप्रैल
8	DC	MI	दिल्ली	4 अप्रैल
9	GT	RR	अहमदाबाद	4 अप्रैल
10	SRH	LSG	हैदराबाद	5 अप्रैल
11	RCB	CSK	बेंगलुरु	5 अप्रैल
12	KKR	PBKS	कोलकाता	6 अप्रैल
13	RR	MI	गुवाहाटी	7 अप्रैल
14	DC	GT	दिल्ली	8 अप्रैल
15	KKR	LSG	कोलकाता	9 अप्रैल
16	RR	RCB	गुवाहाटी	10 अप्रैल
17	PBKS	SRH	न्यू चंडीगढ़	11 अप्रैल
18	CSK	DC	चेन्नई	11 अप्रैल
19	LSG	GT	लखनऊ	12 अप्रैल
20	MI	RCB	मुंबई	12 अप्रैल

केवल 40-मिनट के नवजात की फोर्टिस एस्कॉर्ट्स ओखला में सफल मिनीमॅली इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरी

नई दिल्ली/मूक पत्रिका

यह एक परिवार के लिए सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना की तरह था ङ्क जिसमें प्रेग्नेंसी पर अनिश्चितताओं और आशंकाओं के काले बादल मंडराते रहे, लेकिन अंततः दृढ़ता, सटीक उपचार और मानवीय साहस की जीत हुई। जन्म के मात्र 40 मिनट बाद ही, जब इस नवजात को फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला लाया गया तो वह जिंदगी की जंग लड़ रहा था। उसका नन्हा-सा हृदय तरल पदार्थ से घिरा था और मुश्किल से काम कर पा रहा था ङ्क यह जन्मजात हृदय रोग का लक्षण था।

इस नवजात के पेरेंट्स चिंता और डर के साथ इससे पहले 30 सप्ताह की प्रेग्नेंसी में भी फोर्टिस एस्कॉर्ट्स ओखला आए थे क्योंकि उन्हें शहर के ही एक अन्य अस्पताल ने भ्रूण की अल्ट्रासाउंड जांच के बाद बताया था कि इस अजन्मे शिशु का एक हार्ट वाल्व खतरनाक रूप से संकरा है। इसके अलावा, जांच में उसके हृदय की मांसपेशियां भी काफी कमजोर पायी गई थीं तथा हृदय के आसपास तरल पदार्थ का जमाव भी था और ये सभी स्थितियां काफी गंभीर चुनौतियां बन सकती हैं। नवजात की जोखिमपूर्ण अवस्था के बावजूद, डॉ नीरज अवस्थी, पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला के नेतृत्व में अस्साल की मल्टीडिसीप्लीनरी टीम ने इन चुनौतियों को पूरे दयाभाव और दृढ़ता के साथ स्वीकार किया। उन्होंने इस शिशु के जन्म लेने तक धैर्यपूर्वक इंतजार किया ताकि उसके बाद उपचार शुरू किया जा सके। इस अजन्मे शिशु के लिए जिंदगी की स्वस्थ शुरुआत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पूरी सावधानी के साथ एक प्लान तैयार किया गया। प्रेग्नेंसी के 31 सप्ताह बाद, एक अन्य अस्पताल में सीज़ेरियन सेक्शन से इस शिशु का जन्म हुआ। उसके जन्म के क्षण से ही, ऑब्सटेट्रिशियन, पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट, नियोनेटोलॉजिस्ट, एनेस्थेटिस्ट, नर्सों, तकनीशियनों की टीम के साथ-साथ एंबुलेंस स्टाफ तत्पर था ङ्क हरेक पूरी सटीकता के साथ अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार था। प्रसव के 15 मिनट बाद ही, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला के डॉक्टरों की टीम ने बच्चे को ट्यूब आदि लगाकर अगली कार्रवाई से पहले उसे स्थिर किया। उन्नत एडवांस अल्ट्रासाउंड-गाइडेड वास्क्युलर एक्सेस की मदद से, जिसने डॉक्टरों को सटीकता के साथ रक्तवाहिनियों की स्थिति का पता लगाने और उन तक पहुंचने में सहायता की, पिडियाट्रिक और एनेस्थीसिया टीम ने इस नवजात के संसार में आंखे खोलने के 40 मिनट के भीतर बैलून एओर्टिक वोल्वोटॉमी की प्रक्रिया पूरी की। हृदय के संकुचित एओर्टिक वाल्व का उपचार करने के लिए यह मिनीमॅली इन्वेसिव प्रक्रिया नाजुक गोल्डन आवर के भीतर की गई। इसके शानदार परिणाम तत्काल ही दिखायी देने लगे और इसके बाद की गई इकोकार्डियोग्राफी से इस बात की पुष्टि हुई कि शिशु का एओर्टिक वाल्व अब अच्छी तरह से खुल चुका है और हार्ट फंक्शन भी बहाल हो गया है। इस प्रकार, जिन हालातों ने कभी निराशा और आशंका को जन्म दिया था, वे नाटकीय रूप से पूरी तरह से बदल चुका थे। यह केवल दवा या उपचार का ही असर नहीं था, बल्कि जिंदगी की लड़ाई लड़ रहे एक नवजात को जिंदगी का उपहार देने के लिए समर्पित मानवीय प्रयासों का भी नतीजा था। यह सपना वही था जो हर परिवार देखता है ङ्क समय, प्रगति और एक उजले भविष्य का सपना। इस तरह, कुछ हफ्ते पहले तक जो असंभव लग रहा था, वह टीमवर्क के चलते सच बन गया और इसके पीछे था अस्पताल का टीमवर्क, अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से उपचार एवं देखभाल, और साथ ही, एक परिवार का साहस जिन्होंने हार मानने से इंकार कर दिया था।

समय से पहले जन्मे इस नवजात को नियोनेटल नर्सरी में शिफ्ट किया गया, जहां उसका वज़न बढ़ने और रिकवरी पर पूरा ध्यान दिया गया। विभिन्न विभागों के बीच टीमवर्क और उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप धीरे-धीरे शिशु की हालत में सुधार होता रहा। आज, इस शिशु को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी थी और वह इस बात की जीती-जागती मिसाल बन गया है कि विशेषज्ञता, भरपूर तैयारी तथा अटूट आस्था के बलबूते क्या कुछ नहीं हासिल किया जा सकता।

इस मामले की जानकारी देते हुए, डॉ नीरज अवस्थी, डायरेक्टर ङ्क पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स ओखला, नई दिल्ली ने कहा, ÷यह हमारे सामने आने वाला अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण फीटल कार्डियाक मामला था, जिसमें हार्ट वाल्व काफी संकरा था, हृदय की मांसपेशियां काफी क्षतिग्रस्त थीं, और फ्लूड ओवरलोड भी था। इस मामले में सफलता की कुंजी बनी त्वरित प्लानिंग, तुरंत कार्रवाई और परफेक्ट मल्टी-डिसीप्लीनरी तालमेल। अस्पताल की मेडिकल टीम द्वारा गोल्डन आवर के दौरान ही कार्रवाई करने से स्थितियों में काफी सुधार हुआ, और हम इस नवजात के हार्ट फंक्शन को बहाल कर उसे जिंदगी के साथ कदमताल करने का मौका देने में सक्षम बने।÷ अस्पताल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, नवजात शिशु की मां ने कहा, ÷हमारे परिवार के लिए वे हफ्ते बेहद मुश्किलों से भरे थे। अपने अजन्मे शिशु की कंडीशन के बारे में सुनकर ही हमारे होश उड़ गए थे, और हर अगला दिन हमने डर तथा अनिश्चितता के साथ बिताया। लेकिन फोर्टिस एस्कॉर्ट्स ओखला के डॉक्टरों ने हमें उस घड़ी में उम्मीद बंधायी जब हमारे पास लेशमात्र भी आशा की कोई किरण नहीं थी। अपने शिशु को जन्म के कुछ ही मिनटों बाद ऐसे नाजुक प्रक्रिया से गुजरते देखना और उसका बचना हमारे लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है। हम फोर्टिस एस्कॉर्ट्स ओखला की पूरी मेडिकल टीम के सदा आभारी रहेंगे, जिन्होंने हमारे बच्चे को जिंदगी का अमूल्य उपहार सौंपा है।÷डॉ विक्रम अग्रवाल, फेसिलिटी डायरेक्टर, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला रोड, नई दिल्ली ने कहा, ÷इस मामले ने वही एक बार फिर से साबित कर दिखाया है जो फोर्टिस एस्कॉर्ट्स ओखला की पहचान है ङ्क यानि मेडिकल क्षेत्र में उन्नत विशेषज्ञता, और मरीजों के प्रति दयाभाव के साथ टीमभावना का प्रदर्शन। नवजात के जन्म के कुछ ही मिनटों में उसकी जीवनरक्षा के लिए उपचार तभी संभव है जब न सिर्फ टेक्नोलॉजी उपलब्ध हो, बल्कि परस्पर भरोसा, तालमेल हो और साथ ही, जो कुछ संभव हो उसे लेकर भी सभी आशावान हों। हमें अपनी पिडियाट्रिक कार्डियाक टीम पर बेहद गर्व है जिन्होंने इस परिवार के लिए इसी उम्मीद को सच कर दिखाया।÷

फोर्टिस हेल?थकेयर लिमिटेड के बारे में-फोर्टिस हेल?थकेयर लिमिटेड भारत में अग्रणी एकीकृत स?वास?थ्य सेवा प्रदाता है। कंपनी के हेल्थकेयर वर्टिकल्स में मुख्यतः अस्पताल, डायग्नॉस्टिक्स तथा डे केयर सेवाएं शामिल हैं। वर्तमान में, कंपनी देशभर के 12 राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों में कुल 36 हेल्थकेयर सुविधाओं (जिनमें जेवी और ओ एंड एम शामिल हैं) का संचालन करती है। कंपनी के नेटवर्क में 6,000 से अधिक ऑपरेशनल बेड (ओ एंड एम समेत) तथा 400 डायग्नॉस्टिक्स लैब्स शामिल हैं।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव से महिला सशक्तिकरण पर चर्चा: रत्नावली कौशल

राज्य में महिला उत्थान की दिशा में सकारात्मक कदम

रायपुर/मूक पत्रिका

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर महिलाओं के विकासशील मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सशक्तिकरण और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे। रत्नावली कौशल ने उपमुख्यमंत्री को भाजपा महिला मोर्चा के कार्यों और चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी साझा की, जो राज्य में महिला उत्थान की दिशा में सकारात्मक कदम है। उन्होंने महिला मोर्चा के विभिन्न कार्यक्रमों जैसे महिला स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करने, कौशल विकास प्रशिक्षण और उद्यमिता प्रोत्साहन अभियानों की विस्तृत जानकारी दी।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने रत्नावली कौशल के समर्पण और सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने निर्देश दिए कि महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। रत्नावली कौशल ने महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष विभा अवस्थी के मार्गदर्शन में महिलाओं के हित में निरंतर प्रयास जारी रखने का संकल्प लिया। उन्होंने प्रदेश भर के भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं से इन योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया,यह भेंट छत्तीसगढ़ में भाजपा की महिला नीतियों को सशक्त बनाने और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करेगी। भाजपा महिला मोर्चा ने सभी स्तरों के कार्यकर्ताओं से योजनाओं के लाभार्थी चयन और जागरूकता अभियान में योगदान देने की अपील की है।

अफीम की खेती के विरोध में कांग्रेस का भाजपा कार्यालय घेराव

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता द्वारा कथित रूप से अफीम की खेती किए जाने के मामले के विरोध में जिला भाजपा कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार पर नशे के कारोबार को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए जोरदार नारेबाजी की। जानकारी के अनुसार, दुर्ग जिले के ग्राम समोदा में लगभग 10 एकड़ भूमि पर अफीम की खेती किए जाने का मामला सामने आने के बाद कांग्रेस ने इसका विरोध दर्ज कराया। निर्धारित कार्यक्रम के तहत दोपहर 1 बजे कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में राजीव भवन में एकत्रित हुए और वहां से रैली के रूप में भाजपा कार्यालय पहुंचे, जहां घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा कि प्रदेश में नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के संरक्षण में नशे का कारोबार बढ़ रहा है, जिससे प्रदेश के युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अफीम की अवैध खेती जैसे मामलों में दोषियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और कांग्रेस युवाओं के भविष्य से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी। प्रदर्शन में प्रणीश चौबे (उपाध्यक्ष), सुमन गोस्वामी (महामंत्री), प्रांजल तिवारी (युवा कांग्रेस अध्यक्ष बेमेतरा), रूबी सलूजा (महामंत्री), लुकेश वर्मा, बहल वर्मा, ललित विश्वकर्मा, राजू साहू (पार्षद), ऋषि वर्मा, मोटू तिवारी, शिव वर्मा, दीपक दिनकर, शुभम गंधर्व, मनोज शर्मा, जोगेन्द्र छाबड़ा, रवि रजक, रश्मि मिश्रा (शहर अध्यक्ष), रीता पांडेय (शहर महिला अध्यक्ष), योगिता साहू, ईश्वर वर्मा (ब्लॉक अध्यक्ष साजा), सुमित राजपूत (ब्लॉक अध्यक्ष बेरला), मिथलेश वर्मा (ब्लॉक अध्यक्ष बेमेतरा), देवेन्द्र साहू (ब्लॉक अध्यक्ष नांदघाट), अश्वनी अंत (ब्लॉक अध्यक्ष नवागढ़), गणेश राजपूत (ब्लॉक अध्यक्ष सम्बलपुर) सहित जिला कांग्रेस के नवगठित पदाधिकारी, विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की गई तो पार्टी आगे भी आंदोलन जारी रखेगी।

घरेलू गैस सिलेंडर का दुरूपयोग करने पर होटल से 4 सिलेंडर जप्त

रसोई गैस सिलेंडर का दुरूपयोग रोकने कार्यवाही प्रारम्भ

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशानुसार राजस्व, खाद्य विभाग एवं नगरपालिका के संयुक्त टीम द्वारा सारंगढ़ तहसील कार्यालय के सामने स्थित फागू होटल में नास्ता आदि बनाने घरेलू गैस सिलेंडर का अवैध रूप से व्यावसायिक दुरूपयोग करते हुए पाये जाने पर 04 नग घरेलू गैस सिलेंडर को होटल संचालक शिव पटेल से जप्त किया गया। जप्त की कार्यवाही से जिले के होटल व्यवसायियों में हड़कम्प मचा हुआ है।

नशाखोरी और अफीम खेती के मुद्दे पर कांग्रेस का भाजपा कार्यालय घेराव, पुलिस से हुई झूमा-झटकी

जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर के नेतृत्व में प्रदर्शन, बैरिकेडिंग कर पुलिस ने रोकी भीड़

बीजापुर/मूक पत्रिका

प्रदेश में बढ़ती नशाखोरी और अफीम की अवैध खेती के मुद्दे को लेकर गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर ने भाजपा कार्यालय का घेराव किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

भाजपा कार्यालय के घेराव से पहले विधायक कार्यालय में जिला कांग्रेस कमेटी की अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, सेवादल सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता रैली की शक्ल में नेशनल हाईवे पार करते हुए भाजपा कार्यालय की ओर बढ़े और घेराव किया।

प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने भाजपा कार्यालय के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। बैरिकेडिंग लगाकर भीड़ को आगे बढ़ने से रोका गया। सिटी कोतवाली प्रभारी दुर्गेश शर्मा मौके पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर रखे हुए थे। इस दौरान महिला पुलिस कर्मियों की भी तैनाती की गई थी। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा बैरिकेडिंग पार करने की कोशिश के दौरान पुलिस के साथ हल्की झूमा-झटकी भी हुई।

इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश के युवाओं और समाज को नशे के गर्त में धकेल रही है। उन्होंने कहा कि

क्षमापुर में आयोजित राजस्व शिविर का कलेक्टर ने किया अवलोकन, प्रकरणों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

जगदलपुर /मूक पत्रिका

जगदलपुर कलेक्टर आकाश छिकारा ने अपने बकावंड विकासखंड के दौरे के दौरान क्षमापुर (छिनारी) में आयोजित राजस्व शिविर का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि राजस्व से संबंधित प्रकरणों का निराकरण के लिए ऐसे शिविरों का आयोजन किया जा रहा इसके माध्यम से राजस्व प्रकरणों का तत्काल निराकरण की पहल की जा रही ताकि लोगों को त्वरित राहत मिल सके। कलेक्टर ने बताया कि शिविर में जमीन से जुड़े विभिन्न प्रकरण जैसे किसान किताब पट्टा वितरण, जमीन का सीमांकन, खसरा अद्यतन, बंटवारा सहित अन्य राजस्व संबंधी मामलों को रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि शिविर में बी-1 का वाचन कर जानकारी दी जाएगी और यदि किसी रिकॉर्ड में सुधार की आवश्यकता होगी तो मौके पर ही उसे दुरुस्त किया जाएगा। आवेदनों की जांच के दौरान कलेक्टर ने एक ग्रामीण के पौती-नामांतरण के प्रकरण पर एक वर्ष से कार्रवाई नहीं होने पर संबंधित पटवारी को स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए। उन्होंने ब्लॉक में विभिन्न पंचायतों में आगामी राजस्व शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा कोटवारों के माध्यम से शिविर की जानकारी कम से कम एक सप्ताह पहले ग्रामीणों तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन, सहायक कलेक्टर विपिन दुबे, तहसीलदार जोगेश्वरी, जनपद पंचायत सीईओ टी. कुर्रे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा निरीक्षण दौरे के दौरान कलेक्टर ने बकावण्ड स्थित काजू प्रोसेसिंग यूनिट का भी अवलोकन किया।

महंगाई और अफीम खेती मामले पर जमकर गरजी कांग्रेस

भाजपा कार्यालय का कांग्रेस ने किया घेराव

सारंगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में आज राजनीति उस समय गरमा गई जब जिला कांग्रेस कमेटी सारंगढ़ के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय का घेराव करते हुए जमकर नारेबाजी की और प्रदेश सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महंगाई, किसानों की समस्या और भाजपा नेताओं पर लगे अफीम की खेती के आरोप को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश की। इस दौरान माहौल काफी गर्म रहा और कांग्रेस कार्यकर्ता ÷भाजपा सरकार होश में आओ÷ जैसे नारे लगाते नजर आए। वहीं स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दिया। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात रहा और पूरे कार्यक्रम पर कड़ी नजर रखी गई।

इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ताराचंद देवांगन ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था और महंगाई दोनों ही मुद्दों पर सरकार पूरी तरह विफल हो चुकी है। देवांगन ने भाजपा नेताओं पर लगे अफीम खेती के आरोप को गंभीर बताते हुए कहा कि जनता के सामने सच्चाई लाने के लिए कांग्रेस लगातार आवाज उठाती रहेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनता की समस्याओं से ध्यान भटकाने का काम कर रही है, जबकि महंगाई से आम जनता त्रस्त है। कांग्रेस अब गांव-गांव जाकर सरकार की नाकामियों को उजागर करेगी। इस प्रदर्शन में कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे और भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। वहीं इस पूरे घटनाक्रम के बाद जिले में कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।इस मौके पर नोबेल वर्मा सारंगढ़ प्रभारी, ताराचंद देवांगन जिलाध्यक्ष,मितेन यादव पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष, गोल्डी नायक जिला महामंत्री,सोनी अजय बंजारे नगर पालिका अध्यक्ष सारंगढ़, अरुण मालाकार पूर्व जिलाध्यक्ष, कन्हैया सारथी जिला महामंत्री, पवन नायक, अभिनव पुजारी, धर्मेन्द्र चौहान, ताराचंद पटेल पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष बरमकेला, नीतीश बंजारे जिला उपाध्यक्ष दीनानाथ नायक किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बरमकेला एवं समस्त कांग्रेस कार्यकर्त्ता उपस्तिथ रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।